दैनिक
आचार्य वाणी
वर्ष : 01
अंकः– 57
मुरादाबाद
17 सितंबर 2026
(गुरुवार)
पृष्ठः–8
मूल्यः- 2.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
PRGI-UPHIN/26/A5374
मुरादाबाद से प्रकाशित
हिंदी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र–बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी का जन्मदिनः काशी में 1077 बेटियों ने रचा

यूपीआई टैक्स वापस लीजिएः राहुल गांधी ने इंदिरा का नाम लेकर पीएम मोदी पर साधा निशाना, ट्रंप से क्यों जोड़ा?

खेलों का उत्सव, हाथ में तिरंगा लेकर बनाई मानव शृंखला

वाराणसी में पीएम मोदी के जन्मदिन को लेकर लोगों में खासा उत्साह है। अलग-अलग स्थानों पर बुधवार को उत्सव मनाया गया। इसी क्रम में परमानंदपुर मिनी स्टेडियम में राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय बालिका खिलाड़ियों का जुटान हुआ। छात्राओं ने हाथ में तिरंगा लेकर मानव शृंखला बनाई। प्रधानमंत्री एवं वाराणसी के सांसद नरेंद्र मोदी के 77वें जन्मदिन पर बुधवार को परमानंदपुर मिनी स्टेडियम में खेल प्रतिभाओं का अनूठा संगम देखने को मिला। जन्मदिन समारोह में 1077 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की बालिका खिलाड़ियों के साथ



विकास इंटर कॉलेज, परमानंदपुर की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। बड़ी संख्या में बेटियों की मौजूदगी से पूरा स्टेडियम उत्सव के रंग में रंगा नजर आया। छात्राओं ने हाथ में तिरंगा लेकर मानव शृंखला बनाई। साथ ही पीएम के कटआउट के साथ सेल्फी ली। कार्यक्रम के दौरान बालिका खिलाड़ियों और छात्राओं में खासा उत्साह रहा। खेल मैदान से लेकर समारोह स्थल तक बेटियों की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को विशेष बना दिया।

कार्यक्रम के समापन पर बालिकाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशाल कटआउट के साथ तस्वीरें खिंचवाईं और सेल्फी लेकर इस यादगार अवसर को कैमरे में कैद किया। इसके बाद एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जन्मदिन की खुशियां साझा कीं।कार्यक्रम के संयोजक हॉकी वाराणसी के अध्यक्ष एवं विकास एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन डॉ. एके सिंह ने कहा कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में कई प्रयास हुए हैं। इससे खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए नए अवसर मिले हैं और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिला है।

उन्होंने कहा कि बेटियों की खेलों में बढ़ती भागीदारी देश के लिए सकारात्मक संकेत है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाली खिलाड़ियों के साथ छात्राओं की सहभागिता से नई पीढ़ी को खेलों के प्रति प्रेरणा मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

अखिलेश यादव बोले- यूसीसी भाजपा का सांप्रदायिक षड्यंत्र है, ये अंडरग्राउंड कम्युनल कांस्पिरेसी है

देश में यूसीसी लागू करने को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा जिस यूसीसी की बात कर रही है वो उसका फुल फॉर्म अंडरग्राउंड कम्युनल कांस्पिरेसी (अंडरग्राउंड सांप्रदायिक षडयंत्र) है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने देश में समान नागरिक संहिता लागू किए जाने को लेकर बयान दिया है। उन्होंने इसे भाजपा का ध्यान भटकाने पर वाला मुद्दा करार दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा जिस यूसीसी (समान नागरिक संहिता) की बात कर रही है उसका फुल फॉर्म अंडरग्राउंड कम्युनल कांस्पिरेसी (अंडरग्राउंड सांप्रदायिक षडयंत्र) है। उन्होंने कहा कि पहले 15 लाख हर खाते में पहुंचाने और दो करोड़ नौकरी देने के पिछले वादों को भाजपा निभाए, उसके बाद नए जुमला लेकर आए।यूपी की पूरी प्रशासनिक व्यवस्था चौपट है अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश का भविष्य के लिए भाजपा को सत्ता से हटाना लोकतंत्र के हित में है। यूपी की पूरी प्रशासनिक व्यवस्था चौपट है। भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार की हद हो गई है। इसलिए भाजपा सरकार को सत्ता से हटाना ही एकमात्र उपाय है। सपा पीडीए को एकजुट करके यूपी से भाजपा सरकार का सफाया करने के संकल्पित है। लिए भी उसके पास सिर्फ सपा के समय के काम है। भाजपा जबसे सत्ता में आई है, महिला अपराध, फर्जी एनकाउंटर और पुलिस हिरासत में मौतों के आंकड़ों में यूपी अव्वल नंबर पर है।

पंचायत सहायकों को सीएम योगी की बड़ी सौगात, मानदेय में 50 फीसदी की बढ़ोतरी, अब छह की जगह नौ हजार मिलेंगे

यूपी के पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने एलान किया कि अब पंचायत सहायकों को प्रधान और सचिव नहीं हटा सकेंगे। उन्हें डीएम के नेतृत्व में गठित कमेटी की जांच के बाद ही हटाया जाएगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के 57 हजार से अधिक पंचायत सहायकों को बड़ी सौगात दी है। उनके मानदेय में तीन हजार रुपये की बढ़ोतरी की गई है। अभी पंचायत सहायकों को छह हजार रुपये प्रतिमाह मिलते हैं, जिसे बढ़ाकर नौ हजार रुपये किया जाएगा। इस तरह मानदेय में 50 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। इसके साथ ही पंचायत सहायकों को सेवा सुरक्षा, कैशलेस उपचार और महिला पंचायत सहायकों को मातृत्व अवकाश की सुविधा भी मिलेगी।

पंचायत सहायकों की मांगों को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से वार्ता के बाद पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने बुधवार को आंदोलन का नेतृत्व कर रहे पंचायत सहायकों के प्रतिनिधियों से बातचीत की और उन्हें बुलाया। इसके बाद प्रतिनिधियों की मौजूदगी में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पंचायत सहायकों के हित में लिए गए फैसलों की जानकारी दी।अभी पंचायत सहायकों का मानदेय राज्य वित्त आयोग की धनराशि से दिया जाता है। अब



कैबिनेट से स्वीकृति लेकर डीबीटी की व्यवस्था लागू की जाएगी। इसके बाद नौ हजार रुपये का मानदेय सीधे पंचायत सहायकों के बैंक खातों में भेजा जाएगा। इसका लाभ प्रदेश के 57 हजार से अधिक पंचायत सहायकों को मिलेगा।

प्रधान-सचिव नहीं हटा सकेंगे पंचायत सहायक- पंचायत सहायकों की सेवा सुरक्षा को लेकर भी बड़ा फैसला लिया गया है। अब ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव अपने स्तर से पंचायत सहायक को नहीं हटा सकेंगे। इसके लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कमेटी गठित की जाएगी। किसी पंचायत सहायक को हटाने का फैसला यही कमेटी कर सकेगी।

आंदोलन के मुकदमे होंगे वापस-आंदोलन के दौरान जिन पंचायत सहायकों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए हैं, उन्हें वापस लिया जाएगा। इस दौरान कार्रवाई कर जिन पंचायत सहायकों को हटाया गया है, उन्हें दोबारा बहाल किया जाएगा।महिलाओं को मातृत्व अवकाश, कैशलेस इलाज- महिला पंचायत सहायकों को मातृत्व अवकाश की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही पंचायत सहायकों को उपचार के लिए कैशलेस सुविधा का लाभ भी दिया जाएगा।

मंत्री से वार्ता के बाद धरना समाप्त-अपनी मांगों को लेकर धरना दे रहे पंचायत सहायकों के आंदोलन का नेतृत्व कर रहे प्रतिनिधियों से पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने बातचीत की। प्रतिनिधियों को बुलाकर उनके साथ वार्ता की गई। इसके बाद पंचायत सहायकों के प्रतिनिधि मंत्री के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्तर पर लिए गए फैसलों की जानकारी मिलने के बाद पंचायत सहायकों ने अपना धरना समाप्त कर दिया।

समान नागरिक संहिता पर सांसद संजय सिंह बोले- भाजपा को हर कुछ समय में 'झगड़े' की जरूरत

आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि भाजपाइयों को मिर्गी के दौरे पड़ते हैं। जैसे दौरे कुछ-कुछ समय पर आते हैं, वैसे ही भाजपा को लगता है कि देश में कोई झगड़ा नहीं हो रहा है तो नया मुद्दा खड़ा कर दिया जाए।आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने मंगलवार रात अपने शहर स्थित आवास पर मीडिया से बातचीत में समान नागरिक संहिता को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपाइयों को मिर्गी के दौरे पड़ते हैं। जैसे दौरे कुछ-कुछ समय पर आते हैं, वैसे ही भाजपा को लगता है कि देश में कोई झगड़ा नहीं हो रहा है तो नया मुद्दा खड़ा कर



दिया जाए। , 'भारतीय झगड़ा पार्टी' बताते हुए आरोप लगाया कि वह देश को बर्बाद करना चाहती है। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों में जनता को उलझाने से उसकी तरक्की नहीं होगी।उन्होंने कहा कि अलग-अलग धर्मों में विवाह और धार्मिक परंपराएं अलग हैं। समान कानून लागू होने से इन मान्यताओं पर असर पड़ेगा। संविधान में अलग-अलग धर्मों की मान्यताओं और परंपराओं की स्वतंत्रता की गारंटी दी गई है।

यूपीआई टैक्स वापस लीजिएः राहुल गांधी ने इंदिरा का नाम लेकर पीएम मोदी पर साधा निशाना, ट्रंप से क्यों जोड़ा?

यूपीआई से 2000 रुपये से अधिक के कारोबारी भुगतान पर 15 अक्तूबर से 0.4 प्रतिशत शुल्क लगाने के सरकार के फैसले पर राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को घेरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के सामने झुककर अमेरिका को बड़ी रकम दे रहे हैं। कांग्रेस ने भी इसे अमेरिकी दबाव से जोड़ा है। आखिर यूपीआई शुल्क लगाने के फैसले की असली वजह क्या है और क्या सरकार इसे वापस लेगी? राहुल गांधी ने इसे मामले को ट्रंप से क्यों जोड़ा?यूपीआई भुगतान पर शुल्क लगाने के सरकार के फैसले को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला बोला है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने झुकने और अमेरिका को बड़ी रकम देने का फैसला कर लिया है। उन्होंने सरकार से यूपीआई पर लगाए गए शुल्क को तुरंत वापस लेने की मांग की। राहुल गांधी ने अपने बयान में सरकार की इस नीति को आम भारतीयों से जोड़ते हुए सवाल उठाया कि यूपीआई जैसी रोजमर्रा की डिजिटल भुगतान व्यवस्था पर शुल्क लगाने की जरूरत क्यों पड़ी।

यूपीआई पर कितना शुल्क लगाया गया है? सरकार ने मंगलवार को यूपीआई के जरिए कारोबारियों को किए जाने वाले 2000 रुपये से अधिक के भुगतान पर 15 अक्तूबर से 0.4 प्रतिशत शुल्क लगाने का फैसला किया है। हालांकि, इसमें आम लोगों के बीच होने वाले एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति के लेनदेन को शुल्क से बाहर रखा गया है। इसी तरह छोटे भुगतान पर भी कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा। यानी सरकार के फैसले का दायरा मुख्य रूप से



कारोबारियों को किए जाने वाले 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान तक सीमित है। इसके बावजूद कांग्रेस ने इस फैसले को लेकर सरकार पर हमला तेज कर दिया है।इंदिरा गांधी का लेकर क्या बोले राहुल गांधी? ,राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें अमेरिका के सामने झुकना बंद करना चाहिए और मजबूती से खड़ा होना चाहिए। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के एक पुराने बयान का जिक्र करते हुए कहा कि जब उनसे पूछा गया था कि वह बाएं झुकती हैं या दाएं, तो उनका जवाब था कि वह न बाएं झुकती हैं और न दाएं, बल्कि सीधी खड़ी रहती हैं। इसके बाद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी के रुख की तुलना करते हुए कहा कि उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के सामने पूरी तरह झुकने का फैसला कर लिया है।कांग्रेस ने यूपीआई शुल्क को अमेरिका से क्यों जोड़ा? राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि यूपीआई पर शुल्क लगाकर सरकार हर भारतीय पर टैक्स लगा रही है और अमेरिका को बड़ी रकम दे रही है। कांग्रेस ने भी सरकार पर आरोप लगाया है कि उसने अमेरिका की मांग के आगे झुकते हुए यूपीआई पर अब तक लागू शून्य एमडीआर यानी मर्चेंट डिस्काउंट रेट को खत्म करने और भुगतान पर शुल्क लगाने का फैसला किया। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए %एनओटीए% का नया अर्थ भी बताया और इसे नरेंद्र का लगातार ट्रंप तुष्टीकरण बताया। ये कांग्रेस के आरोप हैं और दिए गए इनपुट में सरकार की ओर से इन आरोपों पर कोई जवाब नहीं दिया गया है। राहुल गांधी ने सरकार से क्या मांग की? राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी से यूपीआई पर लगाया गया शुल्क तुरंत वापस लेने की मांग की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सरकार को यूपीआई टैक्स वापस लेना चाहिए। उनका आरोप है कि इस फैसले से आम भारतीयों पर आर्थिक बोझ डाला जा रहा है और इसके पीछे अमेरिका को बड़ी रकम देने की नीति काम कर रही है। दूसरी ओर, सरकार के फैसले में स्पष्ट किया गया है कि व्यक्ति से व्यक्ति के बीच होने वाले रोजमर्रा के लेनदेन और छोटे भुगतान को किसी शुल्क के दायरे में नहीं रखा गया है।राहुल गांधी का यह हमला ऐसे समय में आया है जब यूपीआई देश में डिजिटल भुगतान का एक प्रमुख माध्यम बन चुका है। सरकार के फैसले के मुताबिक 2,000 रुपये से अधिक के कारोबारी यूपीआई भुगतान पर 15 अक्तूबर से 0.4 प्रतिशत शुल्क लागू होगा, जबकि आम व्यक्ति से व्यक्ति के बीच होने वाले लेनदेन और छोटे भुगतान इससे बाहर रहेंगे। कांग्रेस इस फैसले को अमेरिका और ट्रंप के साथ भारत के संबंधों से जोड़कर देख रही है। राहुल गांधी ने इसी आधार पर प्रधानमंत्री से फैसला वापस लेने की मांग की है।

नगीना के सांसद चंद्रशेखर का बड़ा आरोप- मेरी हत्या की साजिश रची गई, उच्चस्तरीय जांच करवाई जाए

सांसद चंद्रशेखर ने कहा कि मैं अपने विरोधियों से भी कहना चाहता हूं कि मौत तो एक दिन आनी है, मौत से डरकर जिया नहीं जा सकता। अगर मेरी मौत आपके हाथों लिखी होगी तो वह भी हो जाएगी, लेकिन अगर आप अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हुए और मेरे लोगों ने मुझे ताकत, हिम्मत और मेरा साथ दे दिया, तो याद रखिए, आप जैसे गुंडों को उत्तर प्रदेश से पलायन करना पड़ेगा।यूपी के नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी हत्या की साजिश रची गई। उन्होंने मामले में उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। एक्स पर उन्होंने वीडियो जारी कर कहा कि एक फार्म



हाउस में मेरी हत्या करने का षड्यंत्र रचा गया है। मैं यह बात बहुत जिम्मेदारी से कह रहा हूं। मेरे पास जो सूचनाएं और स्रोत हैं, वे गलत नहीं हैं। मैं सरकार से मांग करता हूं कि इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कराई जाए और हत्या की साजिश से लेकर बाराबंकी हिंसा में शामिल लोगों की भूमिका सामने लाई जाए। मैं अपने विरोधियों से भी कहना चाहता हूं-मौत तो एक दिन आनी है, मौत से डरकर जिया नहीं जा सकता। अगर मेरी मौत आपके हाथों लिखी होगी तो वह भी हो जाएगी, लेकिन अगर आप अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हुए और मेरे लोगों ने मुझे ताकत, हिम्मत और मेरा साथ दे दिया, तो याद रखिए



संपादकीय

युद्ध शांत करेगा ब्रिक्स?

अमरीका-ईरान और रूस-यूक्रेन युद्धों के बीच ब्रिक्स देशों का 18वां शिखर सम्मेलन इसलिए महत्वपूर्ण नहीं है कि वह युद्धों को शांति, स्थिरता में तबदील कर सकता है। ब्रिक्स सम्मेलन 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। भारत इस बार अध्यक्ष एवं मेजबान है। युद्धों ने खाद्य-ऊर्जा संकट पैदा किए हैं, दुनिया भर की सप्लाई चेन बाधित है, विश्व की अर्थव्यवस्थाओं का कबाड़ा हो चुका है, आपसी भू-रणनीतिक समस्याएं बढ़ती जा रही हैं, अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और युद्धकालीन कानून बेमानी साबित हो रहे हैं और अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप अब भी अनाप-शनाप टैरिफ थोपने और पाबंदियां घोषित करने पर आमादा हैं। ब्रिक्स का मंच इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत, रूस, चीन, ब्राजील इसके संस्थापक सदस्य हैं। बाद में दक्षिण अफ्रीका जुड़ा और अब 11 देश पूर्णकालिक सदस्य हैं और 10 पार्टनर देश हैं। वे विश्व की 28 फीसदी नॉमिनल जीडीपी और 50 फीसदी से अधिक आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। चीन और भारत सरीखी आर्थिक महाशक्तियां ब्रिक्स की सूत्रधार हैं और रूस की कूटनीतिक, सामरिक, प्रौद्योगिकी संबंधी ताकत दुनिया जानती है। जब प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रपति पुतिन, राष्ट्रपति शी जिनपिंग आपस में मिलेंगे, तो इससे बड़ी कूटनीतिक खबर क्या हो सकती है? ब्रिक्स देश आपसी सहयोग, व्यापार, स्वास्थ्य-शिक्षा, सैन्य-साइबर सहयोग, ऊर्जा, अंतरिक्ष संबंधी समझौते पारित कर सकते हैं, लेकिन सर्वाधिक महत्वपूर्ण यह है कि पहली बार डिजिटल सेवाओं को साझा करने और उनके कारोबार पर ब्रिक्स देशों के वाणिज्य-व्यापार मंत्रियों में सहमति हुई है। अंतिम मुहर शिखर सम्मेलन में लगाई जाएगी। डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में भारत का स्थान अमरीका, ब्रिटेन, आयरलैंड, जर्मनी के बाद 5वां है। चीन छठे स्थान पर है। ब्रिक्स देशों में डिजिटल सेवा निर्यात में भारत की हिस्सेदारी करीब 48 फीसदी है, जो बेहद महत्वपूर्ण है। इंटरनेट, ऐप, ई-मेल, वीडियो कॉल और डिजिटल मंच के जरिए सेवाएं सभी ब्रिक्स देशों में साझा की जा सकेंगी। 2024 में भारत ने करीब 24 लाख करोड़ रुपए (269 अरब डॉलर) की सेवाएं विश्व को दी हैं। अब ब्रिक्स समझौते के बाद आईटी, कारोबारी सेवाओं के अलावा वित्तीय, बीमा, रिसर्च, परामर्श, इंजीनियरिंग और शिक्षा-स्वास्थ्य सेवाएं भी डिजिटल तरीके से दी जा सकेंगी। नीति आयोग के मुताबिक, 2015-24 के बीच भारत का विदेशों में डिजिटल सेवा कारोबार करीब 3-गुना हो गया है। इनमें सॉफ्टवेयर निर्यात, आईटी और बीपीओ सेवाएं सम्मिलित हैं। लेकिन मौजूदा हालात में युद्ध सबसे संवेदनशील, विनाशक और अनिवार्य मुद्दा है, क्योंकि ईरान भी ब्रिक्स का सदस्य देश है। वहां के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान भी आ रहे हैं।

जाहिर है कि उनकी कई स्तरों पर बातचीत होगी! रूस के राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति ट्रंप ने फोन पर करीब एक घंटा बातचीत की है। शुक्रवार, 11 सितंबर, को भारत के प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन में एक बार फिर द्विपक्षीय संवाद होगा। तय है कि युद्ध की बात जरूर होगी, क्योंकि भारत शांति का पक्षधर है। ईरान और यूक्रेन में व्यापक विनाश, विध्वंस हुए हैं और युद्ध अब भी जारी है। राष्ट्रपति ट्रंप को आश्वस्त किया गया है कि ब्रिक्स अमरीका और डॉलर-विरोधी मंच नहीं है। वैकल्पिक मुद्रा तय करने का कोई एजेंडा भी नहीं है। यह क्रेमलिन के प्रवक्ता भी स्पष्ट कर चुके हैं। बेशक रूस और ब्राजील आग्रह करते रहे हैं कि ब्रिक्स देश की अपनी ही मुद्रा (करेंसी) होनी चाहिए, लेकिन वैकल्पिक मुद्रा तय करना और उसे अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाना आसान नहीं है। वैश्विक व्यवस्था का सवाल है। हालांकि ब्रिक्स के देश द्विपक्षीय आधार पर अपनी-अपनी मुद्राओं में लेन-देन कर सकते हैं। भारत और रूस, चीन और रूस, चीन और ईरान अपनी मुद्राओं में ही कारोबार कर रहे हैं। जहां तक युद्ध का सवाल है, उसमें अमरीका और रूस-चीन 'पहल' कर सकते हैं। रूस-चीन ईरान को हथियार सप्लाई के साथ खुफिया, सेटेलाइट जानकारियां भी मुहैया करवा रहे हैं। नतीजतन ईरान खाड़ी देशों के अमरीकी सैन्य ठिकानों पर सटीक हमले करने में कामयाब हो रहा है। दूसरी ओर, अमरीका और यूरोप ने यूक्रेन को युद्ध के लिए उकसाया था। उसे आर्थिक मदद के अलावा विनाशक मिसाइलें, ड्रोन आदि भी मुहैया कराए थे। अब भी वे मदद कर रहे हैं, हालांकि अमरीका खुद हथियारों के संकट से जूझ रहा है, लेकिन शांति का रास्ता इन्हीं देशों से निकलेगा। क्या ब्रिक्स उसमें सार्थक भूमिका अदा कर सकता है? क्या भारत की ओर से भी इस लड़ाई को खत्म करने के लिए कोई ठोस व सार्थक पहल होगी?

हुनर तय करेगा भविष्य

डिग्री दुनिया को यह बताती है कि आपने क्या पढ़ा है, जबकि हुनर यह दिखाता है कि आप उस पढ़ाई से क्या कर सकते हैं। स्नातकों में 40त्न बेरोजगारी दर, डिग्री-हुनर में खाई। एआई युग में ज्ञान तेजी से पुराना हो रहा है। निरंतर सीखना, अनुकूलनशीलता भविष्य के लिए आवश्यक कौशल।आज भारत के किसी भी जॉब फेयर में चले जाइए, आपको दो तरह के युवा दिखाई देंगे। एक वह जिसके पास डिग्रियों और प्रमाण पत्रों से भरी फाइल है। दूसरा वह जिसके पास डिग्रियां शायद कम हों, लेकिन वह वेबसाइट बना सकता है, डाटा का विश्लेषण कर सकता है, कोई मशीन ठीक कर सकता है या एआइ टूल का इस्तेमाल करके घंटों का काम मिनटों में निपटा सकता है। आज कंपनियों के लिए यह सवाल पुराना हो चुका है कि आपने क्या पढ़ाई की है। अब असली सवाल यह है कि आप व्यावहारिक रूप से क्या कर सकते हैं। भारत में उच्च शिक्षा का विस्तार भले ही एक बड़ी उपलब्धि रहा हो, लेकिन डिग्रियों और वास्तविक रोजगार के बीच की खाई लगातार चौड़ी हो रही है। अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी की स्टेट आफ वर्किंग इंडिया 2026 रिपोर्ट के मुताबिक 15 से 25 साल के स्नातकों में बेरोज़गारी की दर लगभग 40 फीसदी के करीब है। जब लाखों युवा डिग्रियां हासिल करने के बाद भी सार्थक काम पाने के लिए संघर्ष कर रहे हों, तो हमें यह सोचना ही पड़ेगा कि क्या हम शिक्षा की सफलता का सही आकलन कर रहे हैं।डिग्री दुनिया को यह बताती है कि आपने क्या पढ़ा है, जबकि हुनर यह दिखाता है कि आप उस पढ़ाई से क्या कर सकते हैं। इस समस्या की जड़ केवल बेरोज़गारी नहीं है, बल्कि ज्ञान के पुराना होने की असाधारण गति है। एक पीढ़ी पहले तक कोई भी तकनीक सालों तक प्रासंगिक बनी रहती थी, लेकिन एआइ के इस दौर में हर कुछ हफ्तों में नए टूल्स और क्षमताएं सामने आ रही हैं। ऐसे में जो ज्ञान छात्र चार साल की डिग्री की शुरुआत में हासिल करते हैं, वह स्नातक होने तक पुराना पड़ चुका होता है। वर्ल्ड इकोनामिक फोरम की रिपोर्ट भी चेतावनी देती है कि इस दशक के अंत तक कर्मचारियों के लगभग 39 प्रतिशत कोर स्किल्स बदल जाएंगे। इसलिए, आज के समय का सबसे बड़ा हुनर किसी एक साफ्टवेयर या भाषा में महारत हासिल करना नहीं, बल्कि तेजी से नया सीखने, पुरानी हो चुकी बातों को भूलने और लगातार खुद को अपडेट करने की क्षमता है। हमारी शिक्षा प्रणाली की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि तकनीक महीनों की रफ्तार से बदल रही है, जबकि पाठ्यक्रम को बदलने में सालों लग जाते हैं। केवल एआइ साक्षरता ही काफी नहीं होगी, बल्कि हमें छात्रों और संस्थानों को उस भविष्य के लिए तैयार करना होगा जहां एआइ स्वास्थ्य, शिक्षा, वित्त और निर्माण जैसे हर क्षेत्र को नया रूप दे रहा है। आज हर पेशा हाइब्रिड बन रहा है। एक डाक्टर, इंजीनियर, शिक्षक या पत्रकार को अपने मूल विषय के ज्ञान के साथ-साथ डिजिटल और एआइ टूल्स की समझ रखनी ही होगी। इस बदलते दौर में भारतीय अभिभावकों को भी अपनी सोच बदलनी होगी। बच्चों से केवल यह पूछने के बजाय कि वे कौन सी डिग्री ले रहे हैं, यह भी पूछना होगा कि वे व्यावहारिक रूप से क्या करके दिखा सकते हैं।एआई को सिर्फ रोजगार के खतरे के रूप में देखने के बजाय इसे अपनी उत्पादकता बढ़ाने वाले उपकरण की तरह इस्तेमाल करना सीखना होगा। इसके साथ ही, जैसे-जैसे मशीनें अधिक बुद्धिमान होंगी, इंसानी क्षमताएं जैसे कि संवाद, नेतृत्व, रचनात्मकता, सहानुभूति और नैतिकता और भी अधिक मूल्यवान होती जाएंगी। भारत की युवा आबादी देश के लिए आर्थिक वरदान तभी साबित हो सकती है जब उसे व्यावहारिक हुनर और तकनीक से लैस किया जाए। भविष्य केवल डिग्रियां जमा करने वालों का नहीं, बल्कि तेजी से सीखने और खुद को ढालने वालों का होगा। डिग्री आपके लिए पहला दरवाज़ा भले ही खोल दे, लेकिन आगे का रास्ता लगातार सीखते रहने की आपकी क्षमता ही तय करेगी।

पाकिस्तान का छलावा

पाकिस्तान में पनप रहा आतंकवाद वैश्विक जिहाद को खाद-पानी दे रहा है और यह जिहाद अमेरिका के लिए भी खतरा बन सकता है। पाकिस्तान ने मसूद अजहर पर इनामी राशि बढ़ाकर एफएटीएफ को गुमराह किया।

एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट से हटने के बाद भी आतंकी संगठन सक्रिय। भारत को एफएटीएफ में पाकिस्तान के आतंकी छलावे को उजागर करना होगा। पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय संगठन एफएटीएफ की अगले माह होने वाली बैठक के पहले जिस तरह भारत में वांछित आतंकी सरगना मसूद अजहर पर इनामी राशि 50 लाख से बढ़ाकर 70 लाख रुपए की, वह मनी लांड्रिंग और आतंकी वित्तपोषण पर लगाम लगाने वाली इस संस्था के साथ-साथ विश्व की आंखों में धूल झोंकने की कोशिश ही है। पाकिस्तान की धोखेबाजी का परिचय इससे मिलता है कि उसने कुछ समय पहले यह अफवाह फैलाई थी कि जैशे मोहम्मद का सरगना मसूद अजहर अफगानिस्तान में कहीं छिपा है। अफगानिस्तान और भारतीय खुफिया एजेंसियों के अनुसार वह पाकिस्तान में ही है।

पाकिस्तान ने मसूद अजहर पर इनामी राशि बढ़ाने के साथ आतंकियों की जो नई सूची जारी की, उसमें अनेक नाम ऐसे हैं, जो भारत में आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार हैं। पाकिस्तान ने आतंकियों की नई सूची में से कई के फोटो हटा दिए हैं और उनका आतंकी संगठनों से संबंध भी छिपा लिया है, जबकि पहले की सूची में उनके फोटो और इसका विवरण भी था कि वे किस आतंकी संगठन के लिए काम करते हैं।

पता नहीं एफएटीएफ पाकिस्तान के छलावे को भांप सकेगी या नहीं, लेकिन इसमें संदेह नहीं कि यदि वह कठोरता का परिचय नहीं देती तो आतंक से लड़ने में सक्षम नहीं हो सकेगी। एफएटीफ ने 2022 में पाकिस्तान को इसलिए अपनी ग्रे लिस्ट से हटाया था, क्योंकि यह लग रहा था कि वह अपने यहां के आतंकी ढांचे को खत्म कर रहा है, लेकिन ऐसा होते ही वह फिर से आतंकियों को पालने-पोसने में जुट गया।

पाकिस्तान में जैश और लश्कर सरीखे आतंकी संगठन पहले की ही तरह न केवल सक्रिय हैं, बल्कि फल-फूल भी रहे हैं। वे चंदा इकट्ठा करने के साथ ही आतंकियों की भर्ती भी करते रहते हैं। चूंकि पाकिस्तान ने आतंकी संगठनों को अपनी सुरक्षा नीति का हिस्सा बना लिया है, इसलिए वहां आतंकी संगठनों की सक्रियता खत्म होने का नाम नहीं लेती। वह आतंकियों को पालकर भारत ही नहीं, अन्य देशों के लिए भी खतरा बन रहा है।

विडंबना यह है कि सब कुछ जानते हुए भी एफएटीफ इसकी अनदेखी कर रही है। इसका कारण यह है कि इस संगठन में प्रभावी कुछ देश पाकिस्तान के हितैषी बने हुए हैं। इनमें प्रमुख है अमेरिका। जो अमेरिका पाकिस्तान पोषित आतंकवाद से पीड़ित रहा, वह इससे मुंह फेरे है कि इस देश में किस तरह आतंकवाद फल-फूल रहा है। पाकिस्तान में पनप रहा आतंकवाद वैश्विक जिहाद को खाद-पानी दे रहा है और यह जिहाद अमेरिका के लिए भी खतरा बन सकता है। इसमें संदेह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति की आंखें खुलेंगी, लेकिन एफएटीएफ में शामिल अन्य देशों को पाकिस्तान से उभर रहे खतरे का संज्ञान लेना चाहिए। वे ऐसा करें, इसके लिए भारत को इस संगठन में अपनी उपस्थिति का उपयोग करना होगा।

ब्रिक्स सम्मेलन के बीच भारत-चीन संबंध

इस क्रम में सात वर्ष बाद शी चिनफिंग की भारत यात्रा, मोदी से बातचीत, सीमा पर चीनी सैन्य तैनाती में कमी और विभिन्न संवाद तंत्रों की सक्रियता इसके संकेत हैं कि दोनों देश संबंधों में एक नई स्थिरता तलाश रहे हैं, लेकिन इसे अंतिम सफलता मानना उचित नहीं। ब्रिक्स सम्मेलन में भारत की वैश्विक भूमिका और कूटनीतिक दृष्टिकोण प्रमुख। मोदी-शी की मुलाकात ने भारत-चीन संबंधों में स्थिरता का संकेत दिया। ब्रिक्स वैश्विक शासन सुधार और बहुपक्षीय सहयोग का महत्वपूर्ण मंच। नई दिल्ली में भारत की अध्यक्षता में आयोजित 18वां ब्रिक्स सम्मेलन केवल एक बहुपक्षीय आयोजन नहीं था। यह बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका और उसके कूटनीतिक दृष्टिकोण का महत्वपूर्ण संकेतक भी रहा। सम्मेलन में वैश्विक शासन व्यवस्था में सुधार, ग्लोबल साउथ की अधिक भागीदारी, तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों के बढ़ते रणनीतिक महत्व तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं की मजबूती जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। हालांकि भारत के लिए इस सम्मेलन का एक महत्वपूर्ण पक्ष चीन के साथ संबंधों में स्थिरता के रूप में भी दिखा।

सम्मेलन के दौरान भारत का जोर इस पर रहा कि ग्लोबल साउथ वैश्विक संकटों का सबसे अधिक सामना करता है, लेकिन वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में उसकी भूमिका अभी भी अपेक्षाकृत सीमित है। इस क्रम में नई दिल्ली घोषणापत्र का सर्वसम्मति से स्वीकार किया जाना भी महत्वपूर्ण है। विस्तारित ब्रिक्स में ऐसे देश शामिल हैं, जिनके बीच राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक मतभेद हैं। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद है, रूस और पश्चिम के बीच गंभीर टकराव है तथा ईरान के पश्चिमी देशों के साथ संबंध तनावपूर्ण हैं। इसके बावजूद ब्रिक्स देश वैश्विक शासन, विकास, तकनीक और बहुपक्षीय सहयोग जैसे मुद्दों पर सहमति बनाने में सफल रहे। यह बताता है कि ब्रिक्स किसी एक विचारधारा या किसी विशेष देश के विरोध का मंच बनने के बजाय विभिन्न शक्तियों के बीच सहयोग का व्यावहारिक मंच बनने की क्षमता रखता है।

भारत-चीन संबंधों में आई नई हलचल को भी देखा जाना चाहिए। 2020 में पूर्वी लद्दाख में सैन्य टकराव के बाद दोनों देशों के संबंधों में गंभीर गिरावट आई थी। ऐसे में शी चिनफिंग की सात वर्ष बाद भारत यात्रा और प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी बातचीत इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि दोनों देश संबंधों को पूरी तरह टकराव के रास्ते पर जाने से रोकना चाहते हैं। मोदी और शी की बैठक में दोनों नेताओं ने संबंधों को दीर्घकालिक और रणनीतिक दृष्टि से देखने पर जोर दिया।

भारत ने यह स्पष्ट किया कि सीमा पर शांति और स्थिरता व्यापक द्विपक्षीय संबंधों की प्रगति के लिए आवश्यक है। चीन की ओर से भी भारत-चीन संबंधों को दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखने और साझा विकास पर सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया गया। यह भाषा अपने आप में कोई बड़ी सफलता नहीं है, लेकिन लंबे समय तक चले तनाव के बाद संवाद की वापसी का संकेत जरूर है। भारत-चीन संबंधों के मौजूदा चरण को 'समझौते' से अधिक 'स्थिरीकरण' कहना उचित होगा। दोनों देशों के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा को लेकर अनेक मतभेद अभी भी कायम हैं। चीन के साथ संबंधों में स्थिरता का अर्थ यह नहीं है कि भारत अपनी सुरक्षा तैयारियों को कम कर दे। भारत की रणनीति तो यह होनी चाहिए कि सीमा पर मजबूत सैन्य स्थिति बनाए रखते हुए राजनीतिक और राजनयिक संवाद को निरंतर जारी रखा जाए।

ब्रिक्स में प्रधानमंत्री मोदी, शी चिनफिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की तस्वीरों को कुछ लोग भारत-रूस-चीन के किसी नए रणनीतिक त्रिकोण के संकेत के रूप में देख सकते हैं, लेकिन ऐसा निष्कर्ष जल्दबाजी होगा। तीनों देशों के हित और रणनीतिक प्राथमिकताएं काफी अलग हैं। भारत के अमेरिका के साथ भी संबंध हैं। चीन भारत का प्रमुख रणनीतिक प्रतिस्पर्धी है और रूस की चीन पर बढ़ती निर्भरता ने भारत-रूस-चीन त्रिकोण की पुरानी प्रकृति को बदल दिया है। ब्रिक्स ऐसा मंच है, जहां देशों को अपने सभी द्विपक्षीय मतभेद समाप्त किए बिना भी साझा मुद्दों पर सहयोग करने का अवसर मिलता है।

भारत और चीन सीमा पर प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं, लेकिन वैश्विक शासन सुधार, विकास, जलवायु परिवर्तन, तकनीक और ग्लोबल साउथ के हितों पर सहयोग भी कर सकते हैं। यही बहुपक्षीय कूटनीति की वास्तविक शक्ति है। भारत की विदेश नीति के लिए यह लचीलापन विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। भारत अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी मजबूत कर सकता है, रूस के साथ पारंपरिक संबंध बनाए रख सकता है, ईरान और पश्चिम एशिया के देशों से संपर्क बढ़ा सकता है और साथ ही चीन के साथ स्थिर संबंधों की कोशिश कर सकता है।

भारत-चीन संबंधों में आर्थिक पक्ष भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। दोनों देशों के बीच व्यापार काफी बढ़ा हुआ है, लेकिन भारत के लिए व्यापार घाटा, बाजार पहुंच, तकनीकी निर्भरता और महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा गंभीर चिंता के विषय हैं। यह न भूला जाए कि राजनीतिक संबंधों में सुधार तभी टिकाऊ होगा जब आर्थिक संबंधों में भी अधिक संतुलन और पारदर्शिता आए। भारत को चीन के साथ आर्थिक संपर्क बढ़ाने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए, लेकिन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अत्यधिक निर्भरता से बचते हुए वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण भी जारी रखना होगा। भारत और चीन के बीच कुछ मुद्दों पर मतभेद बने रहेंगे। वास्तविक चुनौती यह है कि इसे ऐसे संतुलित किया जाए कि वे सैन्य संकट में न बदलें। इस क्रम में सात वर्ष बाद शी चिनफिंग की भारत यात्रा, मोदी से बातचीत, सीमा पर चीनी सैन्य तैनाती में कमी और विभिन्न संवाद तंत्रों की सक्रियता इसके संकेत हैं कि दोनों देश संबंधों में एक नई स्थिरता तलाश रहे हैं, लेकिन इसे अंतिम सफलता मानना उचित नहीं। यदि आने वाले महीनों में भारत और चीन सीमा पर तनाव को नियंत्रित रखते हुए सैन्य और राजनयिक संवाद जारी रखते हैं, आर्थिक मुद्दों पर व्यावहारिक बातचीत करते हैं और नेतृत्व स्तर पर नियमित संपर्क बनाए रखते हैं, तो दोनों देशों के बीच प्रतिस्पर्धा को अधिक पूर्वानुमेय बनाया जा सकता है। भारत के लिए यह स्थिति इसलिए भी उपयोगी होगी, क्योंकि इससे वह अपने आर्थिक विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक भूमिका पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकेगा। बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत के हित में इससे बेहतर स्थिति फिलहाल कोई दूसरी नहीं हो सकती।

आचार्य वाणी

स्वामी, प्रकाशक ए० रूबी शास्त्री ने मुद्रक श्री अखलाक हुसैन से ए०एच० प्रिंटर्स, B-86, असालतपुरा, पुलिया के पास, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश-244001 से छपवाकर कार्यालय H-No- 43, विलेज सिसौना, पोस्ट खरसौल, तहसील बिलारी, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश 244411 से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - ए. रूबी शास्त्री

मो. 9761056026

PRGI NO- UPHIN/26/A5374

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन हेतु सम्पादक पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

स्ट्रेचर पर मरीज-सिस्टम बीमार: मुरादाबाद के जिला अस्पताल में एक बेड पर दो लोग भर्ती, पांच दिन से यही हाल





मुरादाबाद जिला अस्पताल में मरीजों को बेड की समस्या से जूझना पड़ना पड़ रहा है। बुखार और उल्टी-दस्त से पीड़ितों को बेड नहीं मिलने से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। स्थिति यह है कि एक बिस्तर पर दो-दो मरीजों को भर्ती करना पड़ रहा है।स्ट्रेचर पर मरीज लेटी हुई हैं... सामने मेडिसिन वार्ड का दरवाजा है लेकिन अंदर जाने के लिए बेड खाली नहीं है। परिजन कभी वार्ड की ओर देखते हैं तो कभी अस्पतालकर्मियों से बेड के बारे में पूछते हैं। मंगलवार को जिला अस्पताल में कुछ ऐसा ही नजारा रहा। बुखार और उल्टी-दस्त से परेशान पीतलबस्ती निवासी रजनी को लेकर पहुंचे परिजन काफी देर तक वार्ड के बाहर बेड का इंतजार करते रहे। जगह नहीं मिली तो मरीज को वापस ले गए। रजनी के पति ने कहा कि जमीन पर इलाज करवा लेंगे, लेकिन दूसरे मरीज के साथ एक ही बेड पर भर्ती नहीं कराएंगे। यह स्थिति अकेले रजनी की नहीं रही। कुछ देर बाद नागफनी निवासी इसरत जहां (45) भी बुखार की परेशानी में अस्पताल पहुंचीं। परिजन उन्हें स्ट्रेचर पर लेकर वार्ड के आसपास बेड तलाशते रहे। अलग बेड नहीं मिला तो मजबूरी में उन्हें दूसरी महिला मरीज के साथ एक ही बेड पर भर्ती कराना पड़ा। बेड की समस्या के बीच मंगलवार को जिला अस्पताल की लिफ्ट भी बंद रही। इससे बुजुर्ग और चलने-फिरने में असमर्थ मरीजों को परेशानी उठानी पड़ी। वार्ड तक पहुंचने के लिए मरीजों और तीमारदारों को सीढ़ियों का सहारा लेना पड़ा। स्ट्रेचर और मरीजों को ऊपर ले जाने में भी परिजनों को परेशानी हुई।एक बेड पर दो मरीज, पांच दिन से यही हाल- जिला अस्पताल के मेडिसिन वार्ड में पिछले पांच दिन से बेड की यही स्थिति बनी हुई है। बुखार, वायरल संक्रमण और अन्य बीमारियों के मरीज लगातार पहुंच रहे हैं। मरीजों की संख्या बढ़ने से उपलब्ध बेड कम पड़ गए हैं। स्थिति यह है कि एक ही बेड पर दो मरीजों को भर्ती करना पड़ रहा है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार जिला अस्पताल में 220 बेड स्वीकृत हैं, जबकि मरीजों की जरूरत को देखते हुए 276 बेड संचालित किए जा रहे हैं। इसके बावजूद मंगलवार को भर्ती मरीजों की संख्या 280 से अधिक पहुंच गई।वहीं स्वाइन फ्लू के मरीजों के लिए आरक्षित 10 में से नौ बेड खाली हैं इसलिए अस्पताल में 13 बेड पर दो-दो मरीज भर्ती हैं। ऐसे में नए मरीजों के लिए बेड उपलब्ध कराना अस्पताल के सामने चुनौती बना हुआ है।महिला अस्पताल से मांगे 20 बेड, दो वार्ड तैयार होंगे बेड का संकट दूर करने के लिए अस्पताल प्रशासन ने महिला अस्पताल से 20 अतिरिक्त बेड मांगे हैं। चिकित्साधीक्षक डॉ. राजेंद्र कुमार ने बताया कि महिला अस्पताल का परिसर जिला अस्पताल से जुड़ा हुआ है। फर्स्ट फ्लोर पर 20 बेड उपलब्ध कराने के लिए महिला अस्पताल प्रबंधन से समन्वय किया गया है। अस्पताल प्रशासन के मुताबिक बुधवार तक मरीजों के लिए दो नए वार्ड तैयार हो जाएंगे। इनके शुरू होने के बाद अतिरिक्त मरीजों को भर्ती किया जा सकेगा और एक बेड पर दो मरीजों को रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी।अस्पताल से किसी मरीज को लौटाया नहीं जा रहा है। हालांकि सभी बेड फुल हैं। महिला अस्पताल से समन्वय किया गया है। जल्द ही 20 बेड और मिल जाएंगे। बेड़ बढ़ाने के लिए हम पहले ही निदेशालय को प्रस्ताव भेज चुके हैं। -डॉ. प्रदीप वार्ष्णेय, एसआईसी48 घंटे में नहीं मिला स्वाइन फ्लू का नया मरीज-मुरादाबाद जिले में स्वाइन फ्लू के नए मरीज मिलने का सिलसिला पिछले 48 घंटे से थमा हुआ है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अब तक जिले में स्वाइन फ्लू के 36 मरीजों की पुष्टि हो चुकी है। पिछले दो दिनों में कोई नया संक्रमित सामने नहीं आया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से संक्रमित मरीजों की निगरानी की जा रही है।स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक जिले में सामने आए स्वाइन फ्लू के अधिकांश मरीजों की जांच निजी अस्पतालों और निजी पैथोलॉजी केंद्रों में हुई है। वहीं मंडलीय जिला अस्पताल में स्वाइन फ्लू के लक्षण वाले करीब दो दर्जन मरीजों की जांच कराई गई लेकिन इनमें से किसी की रिपोर्ट पॉजिटिव नहीं आई।

कागजों में योजनाएं: केंद्र की छह योजनाओं को शुरू करने के लिए बजट नहीं, दिल्ली दरियादिली दिखाए तो काम हो शुरू

मुरादाबाद में आधा दर्जन से अधिक केंद्रीय योजनाएं लक्ष्य और बजट के अभाव में ठप पड़ी हैं। सांसद आदर्श ग्राम योजना में करीब तीन साल से बजट नहीं मिला और नए गांवों का चयन भी नहीं हुआ। कौशल विकास, रोजगार सृजन, स्वच्छ वायु, आदर्श गांव और उज्ज्वला योजना में भी 2026-27 के लिए अब तक लक्ष्य निर्धारित नहीं हुए हैं।मुरादाबाद जिले में विकास की केंद्रीय योजनाएं कागजों में तो जिंदा हैं, लेकिन बजट और तस्वीर बदलने के लिए चल रहीं आधा दर्जन से अधिक है। आधा वित्तीय वर्ष गुजरने को है, पर अभी तक आधा दर्जन लक्ष्य बिना इन योजनाओं का जमीन पर दम निकलने लगा बजट जारी किया है। ऐसे में ये योजनाएं अघोषित रूप से बंद योजनाओं का न तो लक्ष्य निर्धारित हो सका है और न ही लिए सांसद आदर्श ग्राम योजना शुरू की गई थी। इसके तहत पड़ी हैं। गांवों में बुनियादी सुविधाएं विकसित करने के सुविधाओं के लिए धनराशि उपलब्ध कराई जानी थी, लेकिन चयनित गांवों में सड़क, नाली, पेयजल समेत अन्य है।करीब तीन साल से बजट भी जारी नहीं किया गया। इस जिले को 2026-27 के लिए कोई लक्ष्य नहीं मिला गए थे। इसके बाद नए गांवों का चयन नहीं हुआ। रोजगार योजना के तहत वर्ष 2020-21 में 44 गांव चयनित किए कमोबेश ऐसी ही है।वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रधानमंत्री और कौशल विकास से जुड़ी योजनाओं की स्थिति भी कोई लक्ष्य नहीं मिला। पिछले वित्तीय वर्ष में भी कोई लक्ष्य कौशल विकास योजना के तहत जिले को प्रशिक्षण का यही हाल है। जिले के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया।इसके अलावा राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम, प्रधानमंत्री आदर्श गांव योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का कमोबेश यही हाल है। डीएसओ दीपक वार्ष्णेय ने बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लिए अभी शासन से कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है। छह महीने बचे, कब आएगा बजट, कब मिलेगा लक्ष्य- ,केंद्र सरकार की इन योजनाओं की स्थिति ने सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े किए हैं। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक कई योजनाओं के लक्ष्य वित्तीय वर्ष शुरू होने के बाद मई-जून में तय होते हैं। इसके बाद बजट जारी किया जाता है। ऐसे में फिलहाल लक्ष्य और बजट न मिलने को विभाग अंतिम स्थिति नहीं मान रहा है। आईटीआई के प्रधानाचार्य एसके जैन ने बताया कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत वर्ष 2026-27 के लिए अभी कोई लक्ष्य नहीं मिला है। ऑनलाइन आवेदन के लिए नहीं खुला पोर्टल- राष्ट्रीय कृषि विकास योजना वर्ष 2026-27 के तहत लाभार्थियों का चयन नहीं हो सका है। ऑनलाइन आवेदन के लिए अभी तक शासन से विभागीय पोर्टल ही नहीं खोला गया है। लक्ष्य और बजट के इंतजार में ये योजनाएं- सांसद आदर्श ग्राम योजना (वर्ष 2026-27) के तहत ग्राम पंचायतों के चयन के लिए शासन स्तर से विभाग को अभी कोई दिशा निर्देश नहीं मिले हैं। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (वर्ष 2026-27) के लिए कोई लक्ष्य नहीं मिला है। 2025-26 में भी कोई लक्ष्य नहीं मिला था। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना (वर्ष 226-27) के लिए अभी तक लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (वर्ष 2026-27) के तहत प्रदूषण नियंत्रण विभाग को कोई धनराशि नहीं मिली। प्रधानमंत्री आदर्श गांव योजना (वर्ष 2026-27) के लिए नए गांव चयनित नहीं किए गए। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (वर्ष 2026-27) के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया।सांसद आदर्श ग्राम योजना के लिए गांवों के चयन के लिए शासन स्तर से कोई दिशा निर्देश नहीं मिले हैं। तीन साल से बजट भी जारी नहीं हुआ है। - श्वेतांग पांडेय, परियोजना निदेशक (डीआरडीए)



विकास की बात: 228 करोड़ रुपये से बदलेगा मुरादाबाद का सीवेज सिस्टम, सीधे रामगंगा में नहीं जाएगा गंदा पानी

मुरादाबाद में सीवेज निस्तारण के लिए 228 करोड़ रुपये की नमामि गंगे परियोजना जमीन पर उतर रही है। जोन-3 और जोन-4 के नालों को जोड़कर डायवर्जन से बुद्धि विहार सेक्टर-9 स्थित 15 एमएलडी एसटीपी तक सीवेज पहुंचाया जाएगा। इससे नालों का गंदा पानी सीधे रामगंगा में जाने से रोकने में मदद मिलेगी। मुरादाबाद में सीवेज निस्तारण की पुरानी समस्या को दूर करने के लिए 228 करोड़ की बड़ी परियोजना अब जमीन पर उतर रही है। नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत जोन-3 और जोन-4 के नालों को जोड़कर और डायवर्जन के साथ सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और उससे जुड़े दूसरे काम किए जाएंगे। परियोजना का असर केवल एक एसटीपी बनने तक सीमित नहीं रहेगा।इसका मुख्य उद्देश्य शहर के अलग-अलग हिस्सों से निकलने वाले नालों के पानी को नदी में सीधे गिरने से पहले रोकना है। इसके लिए जोन-3 और जोन-4 के नालों को चिह्नित कर उन्हें जोड़ा जाएगा। नालों के पानी को डायवर्ट कर उपचार की व्यवस्था से जोड़ा जाएगा। इससे बरसात और सामान्य दिनों में नालों के जरिये रामगंगा तक पहुंचने वाले गंदे पानी को नियंत्रित करने का रास्ता बनेगा।परियोजना का अहम हिस्सा बुद्धि विहार सेक्टर-9 में 15 एमएलडी क्षमता का एसटीपी है। यानी प्लांट प्रतिदिन 1.5 करोड़ लीटर तक सीवेज के उपचार की क्षमता वाला होगा। इसके साथ संबंधित इंटरसेप्शन-डायवर्जन व्यवस्था और सहायक काम भी परियोजना में शामिल हैं।शहर के लिए इसका महत्व इसलिए भी है कि मौजूदा समय में अलग-अलग नालों का पानी कई स्थानों से होकर नदी की ओर पहुंचता है। नालों को प्लांट से जोड़ने के बाद सीवेज को उपचारित करने की व्यवस्था एक निर्धारित प्रणाली के तहत होगी। इससे नदी में प्रदूषित पानी की सीधी निकासी रोकने में मदद मिलेगी।15 साल तक संचालन-रखरखाव की शर्त-परियोजना केवल निर्माण तक सीमित नहीं है। इसमें प्लांट के संचालन और रखरखाव की व्यवस्था भी रखी गई है। 15 वर्ष तक संचालन और रखरखाव का प्रावधान होने से प्लांट बनने के बाद उसके संचालन की जिम्मेदारी भी परियोजना का हिस्सा रहेगी। परियोजना को हाइब्रिड एन्युटी आधारित पीपीपी मॉडल पर तैयार किया गया है।परियोजना पूरी होने पर इसका सीधा असर सीवेज प्रबंधन, नदी प्रदूषण नियंत्रण और शहर की स्वच्छता व्यवस्था पर पड़ने की उम्मीद है। नालों के पानी को अलग-अलग जगहों पर रोककर उपचारित करने की व्यवस्था से रामगंगा में प्रदूषित पानी की सीधी आमद कम होगी। नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल ने बताया कि इस परियोजना का अगला महत्वपूर्ण चरण कार्यादेश जारी होने के बाद शुरू होगा। इसके बाद नालों की पहचान, इंटरसेप्शन-डायवर्जन नेटवर्क, एसटीपी निर्माण और संबंधित सहायक ढांचे का काम आगे बढ़ेगा।



संक्षिप्त समाचार

जापानी बुखार का कहर, 20 दिन तक आईसीयू में जिंदगी-मौत से जूझने के बाद 3 साल के मासूम ने तोड़ा दम

20 दिन तक वेंटिलेटर पर लड़ी जिंदगी की जंग, जापानी बुखार ने ली खजुरिया कलां के मासूम की जान रामपुर के बिलासपुर में जापानी बुखार (इंसेफेलाइटिस) के कहर से 3 साल के मासूम की मौत हो गई। बच्चा 20 दिन से हल्द्वानी के अस्पताल में भर्ती था।जनपद में जापानी बुखार (जापानी इंसेफेलाइटिस) का जानलेवा कहर देखने को मिला है। बिलासपुर तहसील क्षेत्र में इस गंभीर बीमारी की चपेट में आने से एक तीन वर्षीय मासूम की दुखद मौत हो गई। बच्चा पिछले 20 दिनों से अस्पताल के आईसीयू में वेंटिलेटर पर जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहा था, लेकिन आखिरकार वह जिंदगी की यह जंग हार गया। मासूम की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल में चल रहा था इलाज- जानकारी के अनुसार, बिलासपुर तहसील क्षेत्र के गांव खजुरिया कलां निवासी नाहिद खां के तीन वर्षीय बेटे अबुजर को कुछ समय पहले तेज बुखार और अन्य लक्षण दिखाई दिए थे। हालत बिगड़ने पर उसे बेहतर इलाज के लिए उत्तराखंड के हल्द्वानी स्थित सुशीला तिवारी अस्पताल में ले जाया गया। जांच के दौरान मासूम को जापानी इंसेफेलाइटिस (जापानी बुखार) होने की पुष्टि हुई।संक्रमण बेहद गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उसे तुरंत आईसीयू (ड्ढष्ट) में भर्ती कर लिया और वह वेंटिलेटर सपोर्ट पर था। 20 दिन की जद्दोजहद के बाद हार गया जिंदगी-,मासूम अबुजर लगभग 20 दिनों तक वेंटिलेटर पर जिंदगी और मौत के बीच जूझता रहा। अस्पताल के डॉक्टरों ने उसे बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन मंगलवार की देर शाम इलाज के दौरान मासूम ने हमेशा के लिए अपनी आंखें मूंद लीं। अस्पताल में मौत की खबर मिलते ही माता-पिता और परिजनों में कोहराम मच गया। ,मंगलवार देर रात गमगीन माहौल में बच्चे का शव गांव खजुरिया कलां लाया गया, जहां परिजनों ने नम आंखों के साथ उसे सुपुर्द-ए-खाक कर दिया। मासूम की मौत से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है और स्वास्थ्य विभाग को लेकर भी लोग सतर्क हो गए हैं।

रामसराय भंखरी के जंगल में पिंजरे में कैद हुआ तेंदुआ, देखने के लिए उमड़ी भीड़

मुरादाबाद के कांठ तहसील क्षेत्र के रामसराय भंखरी में वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में एक तेंदुआ कैद हो गया है। ग्राम राम सराय पायंदापुर के जंगल रामसराय भंखरी में लगभग 6 दिन पूर्व लगाए गए पिंजरे में एक तेंदुआ कैद हो गया है। वन विभाग ने टीम के साथ पहुंचकर तेंदुए को कब्जे में लिया और डियर पार्क पहुंचा दिया। मुरादाबाद जिले के कांठ तहसील क्षेत्र के ग्राम रामसराय पायंदापुर में प्रतिदिन तेंदुआ देखे जाने की शिकायत मिल रही थीं। ग्रामीणों की शिकायत पर वन विभाग ने पवनदीप पुत्र निर्मल सिंह के डेरे के पास लगभग दो सप्ताह पहले एक पिंजरा लगाया था। जिसमें तेंदुआ नहीं फंसा। इसके बाद पवनदीप के कहने पर ही वन विभाग ने वहां से पिंजरा हटाकर समीप ही आम के बाग में एक पिंजरा लगा दिया। रात्रि किसी समय तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। बुधवार सुबह लगभग 6-00 बजे गांव के ही पवनदीप, अमनदीप आदि ग्रामीणों ने पिंजरे में तेंदुआ फंसा देखा। तेंदुए को देखे जाने के लिए काफी भीड़ इकट्ठा होने लगी।ग्रामीणों की सूचना पर डिप्टी वन रेंजर पुष्पेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक राजेंद्र सिंह टीम के साथ लगभग 7-00 बजे गांव पहुंच गए। तेंदुए को डियर पार्क में अस्थाई रूप से संरक्षित किया गया है। डिप्टी वन रेंजर पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि इसी स्थान पर पिछले महीने 24 अगस्त को एक और तेंदुआ पकड़ा जा चुका है। दो दिन पूर्व जंगल में चारा लेने गई ग्राम भरतपुर निवासी निर्वेश देवी पत्नी विजयपाल सिंह पर हमला कर घायल कर दिया था। डिप्टी वन रेंजर ने बताया कि ग्राम भरतपुर में दो पिंजरे लगाए जा रहे हैं।. उन्होंने ग्रामीणों को सतर्क रहने के लिए जागरूक किया।। कांठ तहसील की सीमावर्ती ठाकुरद्वारा क्षेत्र में 14 तेंदुए पकड़े जा चुके हैं। तेंदुए की दहशत से क्षेत्र में किसान जंगल जाते हुए भी भयभीत हैं। मुख्य रोड पर भी तेंदुए सड़क क्रॉस करते हुए देखे जाने पर भी क्षेत्रीय नागरिकों में दहशत व्याप्त है।



शादी से इन्कार पर युवती पर कुल्हाड़ी से हमला

बिलासपुर। नगर में एक युवक ने पड़ोस की युवती से जबरन शादी करने की कोशिश की। इन्कार करने पर उसने युवती के सिर पर कुल्हाड़ी से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। युवती का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। 13 सितंबर की शाम करीब छह बजे रवि नामक युवक युवती के घर में घुस गया। युवती के मना करने पर रवि ने कुल्हाड़ी से उसके सिर पर जानलेवा हमला किया। सीओ हर्षिता सिंह ने बताया कि मामले की विवेचना उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार को सौंपी गई है। जांच जारी है।

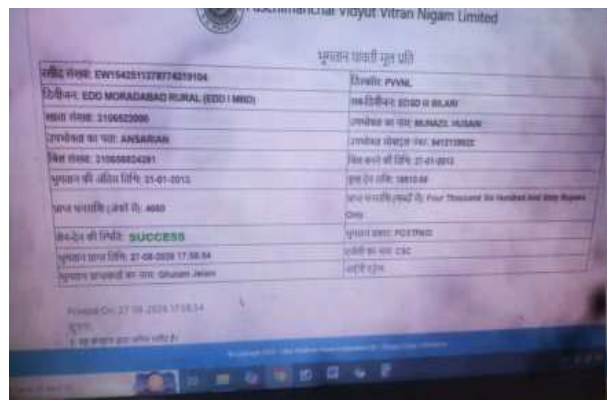
पर्यूषण महापर्व के प्रथम दिन उत्तम क्षमा धर्म का संदेश

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में श्रद्धालुओं ने किया अभिषेक, शांतिधारा और सामूहिक पूजन



बिलारी हि दै आचार्य वाणी। जैन धर्म के पवित्र पर्यूषण महापर्व के प्रथम दिन बुधवार को श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में उत्तम क्षमा धर्म श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। सुबह बड़ी संख्या में जैन समाज के पुरुष, महिलाएं और बच्चे मंदिर परिसर में पहुंचे। विशेष सजावट के बीच मंदिर में दिनभर धार्मिक वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर उत्तम क्षमा धर्म का संदेश आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ बेदी में विराजमान सभी प्रतिमाओं का शुद्ध जल से जलाभिषेक कर किया गया। इसके बाद भगवान श्री शांतिनाथ की प्रतिमा की विधिवत शांतिधारा की गई। सामूहिक पूजन में देव, शास्त्र, गुरु, चौबीसी भगवान, भगवान ऋषभदेव, सोलह कारण, श्री पार्श्वनाथ भगवान और श्री चंद्रप्रभु भगवान की पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता की। इस अवसर पर कौशल जैन ने उत्तम क्षमा धर्म के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मनुष्य को संसार में दूध और पानी की तरह घुल-मिलकर प्रेम, सौहार्द और सद्भाव के साथ रहना चाहिए। क्रोध को मन में स्थान नहीं देना चाहिए, क्योंकि क्रोध मनुष्य के लिए दुख का कारण बनता है। उन्होंने कहा कि कमठ का जीव भगवान पार्श्वनाथ पर क्रोध करने के कारण अनेक दुखों को सहन करता रहा, जबकि भगवान पार्श्वनाथ ने क्षमा का भाव धारण कर अपने भव-दुखों का अंत किया। इसलिए मनुष्य को क्रोध का त्याग कर क्षमा को जीवन का आधार बनाना चाहिए।पर्यूषण महापर्व के प्रथम दिन आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समाज के लोगों ने सामूहिक पूजा-अर्चना के साथ आत्मसंयम, अहिंसा, प्रेम और क्षमा के आदर्शों को जीवन में उतारने का संकल्प लिया। आयोजन में बच्चों और युवाओं की सहभागिता भी विशेष रूप से दिखाई दी। इस अवसर पर राकेश जैन, कौशल जैन, विनोद जैन, संजय जैन, अभिषेक जैन, राकेश कुमार जैन, शशांक जैन, प्रतीक जैन, अरिहंत जैन, रजत जैन, विपुल जैन, रीता जैन, सीमा जैन, रेखा जैन, शिल्पी जैन, शगुन जैन, कल्पना जैन, गरिमा जैन, आशा जैन, मिशिता जैन, पूजा जैन, मानसी जैन, शशि जैन, नेहा जैन, खुशी जैन, आर्याश जैन, तनिष्क जैन, यश जैन, समीर जैन, सुरभि जैन, लवी जैन, वर्णिका जैन, तंदुल जैन, अक्षया जैन एवं सर्वांग जैन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

13 साल से बंद बिजली खाते में जमा हो गए 4,660 रुपये, ऑनलाइन बिलिंग प्रणाली पर उठे सवाल

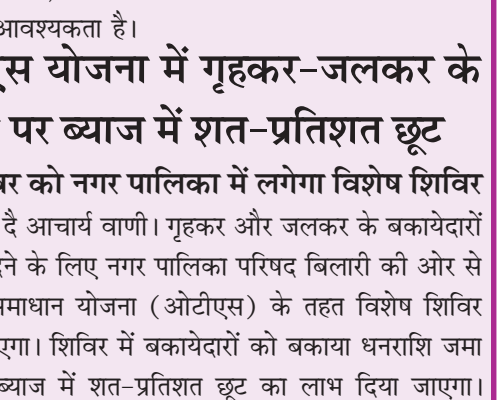


बिलारी। विद्युत निगम की ऑनलाइन बिलिंग व्यवस्था में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने वर्षों से बंद पड़े बिजली खातों में भी ऑनलाइन भुगतान स्वीकार किए जाने की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जन सेवा केंद्र संचालक की मानवीय भूल से गलत खाता संख्या में 4,660 रुपये का भुगतान हो गया। जांच में सामने आया कि जिस खाते में धनराशि जमा हुई, वह कनेक्शन 7 जनवरी 2013 को स्थायी रूप से विच्छेदित किया जा चुका था। जानकारी के अनुसार जन सेवा केंद्र आईडी 697195860019 के संचालक गुलाम जीलानी 27 अगस्त 2026 को उपभोक्ता मो. रिजवान के खाता संख्या 6106522000 का 4,660 रुपये का बिजली बिल जमा कर रहे थे। भुगतान के दौरान खाता संख्या दर्ज करने में एक अंक गलत हो गया, जिससे धनराशि उपभोक्ता मुनाजिल हुसैन के खाता संख्या 3106522000 में चली गई। भुगतान की रसीद जनरेट होने के बाद जब संचालक ने विवरण की जांच की तो गलत खाते में राशि जमा होने की जानकारी हुई। इसके बाद मामले का दूसरा पहलू सामने आया। जिस खाता संख्या 3106522000 में 4,660 रुपये का भुगतान स्वीकार किया गया, उसका बिजली कनेक्शन 7 जनवरी 2013 से बंद बताया गया है। ऐसे में करीब 13 वर्ष से विच्छेदित खाते में वर्ष 2026 में ऑनलाइन भुगतान सफल होने को लेकर बिलिंग प्रणाली की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। मामले को लेकर सीएससी संचालक ने अधिशासी अभियंता, विद्युत वितरण खंड मुरादाबाद ग्रामीण को शिकायती पत्र देकर धनराशि वापस कराने की मांग की है। उन्होंने यह भी जानना चाहा है कि स्थायी रूप से विच्छेदित खाते में ऑनलाइन भुगतान की सुविधा किस स्तर पर सक्रिय रही और भुगतान के समय प्रणाली ने उसे अस्वीकार करने के बजाय सफल क्यों प्रदर्शित किया शिकायत में यह भी सवाल उठाया गया है कि 4,660 रुपये की धनराशि वर्तमान में किस खाते अथवा लेजर में दर्ज हुई है और उसे वास्तविक भुगतानकर्ता को वापस करने की प्रक्रिया क्या है। संचालक का कहना है कि 4,660 रुपये उनके लिए महत्वपूर्ण राशि है और मानवीय भूल के साथ-साथ तकनीकी व्यवस्था की भूमिका को देखते हुए मामले की जांच आवश्यक है। गुलाम जीलानी ने अधिशासी अभियंता से धनराशि शीघ्र वापस कराने के साथ ही पूरे प्रकरण की जांच कराने की मांग की है, ताकि बिलिंग प्रणाली में बंद खातों की स्थिति की समीक्षा हो सके और भविष्य में इस प्रकार की समस्या से उपभोक्ताओं तथा जन सेवा केंद्र संचालकों को परेशानी न उठानी पड़े। शिकायती पत्र की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी मुरादाबाद तथा एसडीओ बिलारी को भी भेजकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9761056026

संक्षिप्त समाचार

महिला सुरक्षा और अधिकारों के प्रति किया जागरूक



मुरादाबाद। महिला सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से बुधवार को नेशनल एकेडमी फॉर सोशल मूवमेंट एवं नागरिक एकता परिषद की ओर से बगिया कचहरी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को कानूनी अधिकारों, उपलब्ध सहायता तथा कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम के लिए बने पॉश अधिनियम की जानकारी दी गई।एडवोकेट सायमा ने महिलाओं को अपने अधिकारों और कानूनी सहायता के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता बताई। एडवोकेट नीरज त्यागी और योगेंद्र सिंह ने महिला अधिकारों एवं कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। प्रेम कुमार ने पॉश अभियान के उद्देश्य और सुरक्षित कार्यस्थल की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में शबनूर एडवोकेट, जैनब आरा एडवोकेट, यास्मीन परवीन एडवोकेट, अरशाल बी एडवोकेट तथा इरशाद अंसारी दूरसंचार विभाग सहित अन्य लोग मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि महिला सुरक्षा के लिए समाज, परिवार, संस्थानों और प्रशासन को मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है।

योग परिवार को रीडर व माइक स्टैंड भेंट, मोहनलाल शर्मा का किया अभिनंदन



बिलारी हि दै आचार्य वाणी। भगवान श्री गणेश महोत्सव सप्ताह के अंतर्गत बिलारी योगशाला में आयोजित कार्यक्रम में योग परिवार संगठन के संरक्षक एवं वरिष्ठ समाजसेवी मोहनलाल शर्मा ने योग परिवार द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के उपयोग के लिए अपनी ओर से बहुउपयोगी रीडर स्टैंड और माइक स्टैंड उपहार स्वरूप भेंट किए। इस सहयोग के लिए योग परिवार के सदस्यों ने उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर योग परिवार संगठन की ओर से मुख्य योग शिक्षक निहाल सिंह लाठर के नेतृत्व में सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार में सक्रिय भूमिका निभा रहे मोहनलाल शर्मा का सम्मान पट्टिका पहनाकर अभिनंदन किया गया। योग साधकों ने उनके सामाजिक कार्यों और योगशाला के प्रति सहयोग की सराहना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए योग शिक्षक नरेंद्र सिंह ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक की श्रेणी में पहुंच चुके मोहनलाल शर्मा आज भी पूरी सक्रियता और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। वह सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के साथ ही योग परिवार, योगशाला और योग के क्षेत्र में निरंतर सहयोग एवं सेवा भाव से कार्य कर रहे हैं। उनका समर्पण सभी के लिए प्रेरणादायी है कार्यक्रम में उपस्थित योग साधकों ने कहा कि समाजसेवा के साथ योग और आध्यात्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए मोहनलाल शर्मा द्वारा किए जा रहे प्रयासों से संगठन को निरंतर सहयोग मिल रहा है। उन्होंने योग परिवार को उपयोगी सामग्री भेंट कर सामाजिक सहभागिता और सेवा भावना का उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस दौरान चौधरी वृत्तपाल सिंह, राकेश कुमार चंद्रवंशी, संजीव सिंघल, राकेश गुप्ता सराफ, बाबूलाल चक्रवर्ती, राम प्रताप सिंह, संजय सक्सेना आदि ने भी विचार व्यक्त किए।

अधिवक्ताओं के हित में फैसलों का स्वागत, मुख्यमंत्री का जताया आभार



बिलारी हि दै आचार्य वाणी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा अधिवक्ताओं के हित में लिए गए फैसलों से प्रदेश सहित मुरादाबाद जिले के अधिवक्ताओं में खुशी है। मुख्यमंत्री द्वारा अधिवक्ताओं के लिए पांच लाख रुपये तक की कैशलेस उपचार सुविधा दिए जाने तथा अधिवक्ता के निधन की स्थिति में परिवार को मिलने वाली आर्थिक सहायता के लिए आयु सीमा 60 वर्ष से बढ़ाकर 70 वर्ष किए जाने का अधिवक्ताओं ने स्वागत किया है। यह बात पूर्व सदस्य कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार वाजिद हुसैन एडवोकेट ने अधिवक्ताओं के बीच कही। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता समाज के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा लंबे समय से महत्वपूर्ण आवश्यकता रही है। सरकार के इन फैसलों से अधिवक्ताओं के साथ उनके परिवारों को भी भविष्य में आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने इन फैसलों के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।उन्होंने कहा कि अधिवक्ता न्याय व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उनके हितों से जुड़े कल्याणकारी निर्णय समाज के लिए भी सकारात्मक संदेश देते हैं। मुरादाबाद जिले, विशेषकर बिलारी तहसील के अधिवक्ताओं ने सरकार के इन निर्णयों का स्वागत किया है।इस अवसर पर सुरेश कुमार एडवोकेट, प्रवेश एडवोकेट, दिवाकर एडवोकेट, नरेश एडवोकेट, पंकज एडवोकेट, संजय एडवोकेट, मनोज त्यागी, अंकित एडवोकेट, अहसान एडवोकेट, शरीबा एडवोकेट, नौशीन एडवोकेट आदि ने विचार व्यक्त किए। संचालन मुनीर एडवोकेट ने किया।

ओटीएस योजना में गृहकर-जलकर के बकाये पर ब्याज में शत-प्रतिशत छूट

18 सितंबर को नगर पालिका में लगेगा विशेष शिविर

बिलारी हि दै आचार्य वाणी। गृहकर और जलकर के बकायेदारों को राहत देने के लिए नगर पालिका परिषद बिलारी की ओर से एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) के तहत विशेष शिविर लगाया जाएगा। शिविर में बकायेदारों को बकाया धनराशि जमा करने पर ब्याज में शत-प्रतिशत छूट का लाभ दिया जाएगा। नगर पालिका परिषद की ओर से जारी सूचना के अनुसार ओटीएस योजना 15 अगस्त 2026 से 15 दिसंबर 2026 तक लागू है। योजना के अंतर्गत गृहकर और जलकर की बकाया धनराशि जमा करने पर ब्याज में शत-प्रतिशत छूट दी जा रही है। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 14 नवंबर 2026 निर्धारित की गई है। इसी क्रम में 18 सितंबर को नगर पालिका परिषद बिलारी में विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा। इसमें गृहकर और जलकर के बकायेदारों को ओटीएस के माध्यम से बकाया धनराशि जमा करने की सुविधा मिलेगी। नगर पालिका ने गृहकर और जलकर के बकायेदारों से अपील की है कि वे अपने भवनों की बकाया धनराशि जमा कर ओटीएस योजना के तहत ब्याज में मिलने वाली शत-प्रतिशत छूट का लाभ उठाएं। नगर पालिका के अधिकारियों ने नागरिकों से निर्धारित समय में योजना का लाभ लेने की अपील की है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बिलारी (मुरादाबाद)

नोटिस :

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मोहल्ला महाजनान वार्ड संख्या-02 तहसील, बिलारी स्थित भवन संख्या-191 जो गृहकर अभिलेखों में श्री रघुनाथ सहाय पुत्र श्री किशन सहाय निवासी मोहल्ला महाजनान कस्बा व तहसील बिलारी के नाम दर्ज है पर श्री हेमन्त सहाय पुत्र श्री रघुनाथ सहाय निवासी मोहल्ला महाजनान कस्बा व तहसील बिलारी जिला मुरादाबाद के द्वारा उक्त भवन को गृहकर अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में एक प्रार्थना पत्र दिनांक 13/08/2025 को प्रेषित किया गया है। जिसके साक्ष्य में इनके द्वारा प्रार्थना पत्र के साथ वारिसान प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति एवं शपथ पत्र संलग्न कर प्रेषित की गयी है।

क्र म सं0	भवन संख्या	मोहल्ला	वर्तमान में दर्ज नाम	नाम परिवर्तन की दशा में गृहकर का प्रकार
1	191	महाजनान	श्री रघुनाथ सहाय पुत्र श्री किशन सहाय	श्री हेमन्त सहाय पुत्र श्री रघुनाथ सहाय

उक्त के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस नोटिस की दिनांक के 30 दिन के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में साक्ष्यों सहित कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयसीमा तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में आवेदक का नाम गृहकर अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा। दर्ज करने उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

राजस्व-निरीक्षक
नगर पालिका परिषद बिलारी
(मुरादाबाद)

आचार्य पूरनमल प्रजापति का सपा कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत, कई गांवों में हुई पीडीए बैठकें, संगठन मजबूती पर किया संवाद



बिलारी हि दै आचार्य वाणी। समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव एवं प्रभारी आचार्य पूरनमल प्रजापति के बिलारी आगमन पर बुधवार को नगर के डाक बंगला के निकट स्थित सपा कैंप कार्यालय एमआई हाउस पर विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान सहित पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

इसके बाद आचार्य पूरनमल प्रजापति ने संदलपुर, मुंडिया जैन, जिगनिया और सोनकपुर गांवों में प्रजापति समाज की पीडीए बैठकें कीं।

बैठकों में समाज के लोगों से संवाद करते हुए संगठन को मजबूत करने तथा समाजवादी पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने को लेकर चर्चा की गई।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय के साथ संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने का आह्वान किया।

बैठकों के दौरान स्थानीय लोगों ने समाज से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की।

इस दौरान पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर दिया। इस अवसर पर लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव विजय सैनी, जिला उपाध्यक्ष हाजी उस्मान एडवोकेट, युवजन सभा के जिला महासचिव रमाकान्त सैनी, राजवीर प्रजापति, चिराग अग्रवाल, मुनेश यादव, चीकू यादव, शिशुपाल यादव कल्लू, मोहम्मद इमरान, किशन लाल मौर्य, कौशल किशोर प्रजापति, दीपक जाटव आदि मौजूद रहे।

किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर भारतीय किसान संघ ने दिया धरना

मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि, गन्ने का मूल्य 700 रुपये क्विंटल करने समेत 17 मांगों का ज्ञापन सौंपा







मुरादाबाद। किसानों एवं ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं और प्रदेश स्तर की किसान हितैषी मांगों को लेकर भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों ने बुधवार को सिविल लाइंस स्थित अंबेडकर पार्क में धरना-प्रदर्शन किया।

धरने के बाद जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपकर मांगों के शीघ्र समाधान की मांग की गई।

जिला अध्यक्ष चौधरी ओमवीर सिंह की अध्यक्षता और जिला उपाध्यक्ष शिवराज राठी के संचालन में हुए धरने में किसानों से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। संघ ने उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की तर्ज पर मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि लागू कर किसानों को प्रतिवर्ष छह हजार रुपये अतिरिक्त सहायता देने की मांग की। साथ ही बंद हो चुकी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि को पात्र किसानों के लिए पुन: शुरू कराने की मांग की गई।

ज्ञापन में बिलारी, ठाकुरद्वारा और कांठ क्षेत्र के किसानों की फसल खरीद के लिए नई मंडियां स्थापित करने, मंडी समितियों में पारदर्शी व्यवस्था लागू करने तथा नकद भुगतान और अन्य नामों पर किसानों से होने वाली कथित अवैध वसूली रोकने की मांग की गई। किसानों को खाद के साथ अन्य उत्पाद लेने की अनिवार्यता समाप्त करने की भी मांग रखी गई।

भूमि अधिग्रहण में सर्किल रेट को वास्तविक बाजार मूल्य के अनुरूप करने, किसानों को समान एवं उचित मुआवजा देने तथा लैंड पूलिंग नीति समाप्त करने की मांग की गई। लघु एवं सीमांत किसानों को बिना भेदभाव नि:शुल्क नलकूप और पंपसेट उपलब्ध कराने तथा सिंचाई विद्युत कनेक्शन की प्रक्रिया सरल करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही। संघ ने अंश निर्धारण, सीमांकन और नामांतरण के लंबित मामलों का समयबद्ध निस्तारण, चकरोड़ों से अवैध कब्जे हटाने, सिंचाई नालियों और नहर की पटरियों को दुरुस्त कराने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जल निकासी और सड़कों की व्यवस्था सुधारने की मांग की।

किसानों ने गन्ने का मूल्य बढ़ाकर 700 रुपये प्रति क्विंटल करने, निराश्रित गोवंश और नीलगाय से फसलों को होने वाले नुकसान का स्थायी समाधान करने तथा दूध के न्यूनतम मूल्य निर्धारण की मांग भी उठाई। किसान क्रेडिट कार्ड की ऋण सीमा पांच लाख रुपये करने, समय पर भुगतान करने वाले किसानों को ब्याजमुक्त ऋण देने और नवीनीकरण की प्रक्रिया सरल करने की मांग रखी गई। इसके अलावा ग्राम पंचायत स्तर पर आधार केंद्र स्थापित करने, हर घर जल योजना की बंद पड़ी टंकियों को चालू कराने, जंगली जानवरों से प्रभावित गांवों में प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था तथा आवश्यकता वाले गांवों में 24 घंटे विद्युत आपूर्ति की मांग की गई।

मुंडापांडे विकासखंड के दलपतपुर, नियामतपुर और हुसैनपुर में जलभराव की समस्या के समाधान तथा हवाई पट्टी के लिए अधिग्रहित भूमि के सर्किल रेट में वृद्धि की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही।

इस मौके पर प्रांत संगठन मंत्री सुनील कुमार, विभाग संगठन मंत्री रमेश चंद्र, प्रांत उपाध्यक्ष नरेंद्र चौधरी, प्रांत मंत्री जितेंद्र चौधरी, प्रांत जिला प्रचार प्रमुख तेजभान सिंह राघव, प्रांत जैविक प्रमुख जुगनेश राघव, जिला उपाध्यक्ष ऋषिपाल सिंह, जिला प्रचार प्रमुख पवन कोहली सहित आठों ब्लॉकों के अध्यक्ष, मंत्री और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विक्रम सिंह को मिला 'भारत के सबसे विश्वसनीय ई-कॉमर्स ट्रेनर' का सम्मान

नई दिल्ली में अभिनेता चंकी पांडे ने प्रदान किया सम्मान



बिलारी हि दै आचार्य वाणी। ई-कॉमर्स प्रशिक्षण, ऑनलाइन व्यापार शिक्षा और डिजिटल बाजार के क्षेत्र में सक्रिय बिलारी क्षेत्र के विक्रम सिंह को उनके कार्य एवं योगदान के लिए 'भारत के सबसे विश्वसनीय ई-कॉमर्स ट्रेनर' के सम्मान से नवाजा गया। नई दिल्ली में 12 सितंबर को आयोजित स्प्रिंग बिजनेस अवाड्र्स 2026 समारोह में अभिनेता एवं फिल्म कलाकार चंकी पांडे ने उन्हें सम्मान प्रदान किया। नई दिल्ली के महफिल गोल्ड, रेडिसन ब्लू होटल, पश्चिम विहार में आयोजित समारोह में देश के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े उद्यमियों, व्यापारिक नेतृत्वकर्ताओं, नव उद्यमियों, सामग्री निर्माताओं और अन्य पेशेवरों को उनके कार्य एवं उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। इसी क्रम में ई-कॉमर्स शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रहे विक्रम सिंह को 'Most Trusted eCommerce Trainer in IndiaÓ सम्मान प्रदान किया गया। विक्रम सिंह पिछले कई वर्षों से ई-कॉमर्स और ऑनलाइन व्यापार के क्षेत्र में प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। उनका मुख्य उद्देश्य ऐसे लोगों को व्यावहारिक प्रशिक्षण देना है, जो ऑनलाइन बाजार के माध्यम से अपना कारोबार शुरू करना चाहते हैं अथवा पहले से संचालित व्यापार को विस्तार देना चाहते हैं।

उनके प्रशिक्षण में अमेजन, फ्लिपकार्ट और मीशो जैसे प्रमुख ऑनलाइन बाजार मंचों पर व्यापार संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी जाती है। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उत्पाद चयन, उत्पाद सूची तैयार करना, खोजशब्द अनुसंधान, सूची सुधार, बाजार मंच पर खोज अनुकूलन, बिक्री बढ़ाने की रणनीति, डिजिटल प्रचार, विज्ञापन, माल प्रबंधन और ऑनलाइन व्यापार को आगे बढ़ाने जैसे विषय शामिल हैं। विक्रम सिंह का कहना है कि ऑनलाइन व्यापार में केवल विक्रेता खाता बनाना पर्याप्त नहीं है। सही उत्पाद का चयन, प्रभावी प्रस्तुतीकरण, ग्राहक व्यवहार की समझ और उचित व्यापार रणनीति सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विक्रम सिंह के अनुसार, वह अब तक 11 हजार से अधिक विद्यार्थियों और ई-कॉमर्स सीखने वाले लोगों को प्रशिक्षण दे चुके हैं। उनके प्रशिक्षण समुदाय में नए ऑनलाइन उद्यमियों के साथ-साथ ऐसे विक्रेता भी शामिल हैं, जो अपने व्यापार की बिक्री, उत्पाद सूची और बाजार मंच पर प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए मार्गदर्शन प्राप्त करते हैं। विक्रम सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों का विश्वास और उनके व्यावहारिक परिणाम उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उन्हें ई-कॉमर्स शिक्षा को और अधिक प्रभावी, व्यावहारिक और परिणामपरक बनाने के लिए प्रेरित करेगा। अभिनेता चंकी पांडे के हाथों सम्मान प्राप्त होना उनके लिए विशेष उपलब्धि रही।

वार्ड नौ में अधूरा विद्युतीकरण बना परेशानी का सबब, सभासद निहाल सिंह लाठर ने विद्युत विभाग से समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की



बिलारी हि दै आचार्य वाणी। नगर पालिका परिषद बिलारी के वार्ड संख्या नौ में विद्युतीकरण का कार्य पूरा नहीं होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समस्या को लेकर वार्ड नौ के सभासद निहाल सिंह लाठर ने विद्युत उपखंड बिलारी के उपखंड अधिकारी को पत्र देकर विद्युत व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है सभासद द्वारा दिए गए पत्र में बताया गया है कि वार्ड संख्या नौ में विद्युतीकरण का कार्य अभी पूरी तरह से पूरा नहीं हो पाया है। कई स्थानों पर विद्युत केबल काफी नीचे लटके हुए हैं। लोगों ने अपने स्तर से बांस-बल्लियां लगाकर केबल को ऊपर कर रखा है। इससे राहगीरों और आसपास के लोगों के लिए परेशानी बनी हुई है। पत्र में कहा गया है कि लटके हुए केबल आए दिन टूटकर सड़क पर गिरते रहते हैं। सभासद ने यह भी बताया कि कई पुराने और जर्जर विद्युत खंभे अभी तक बदले नहीं गए हैं। वहीं जिन स्थानों पर नए खंभे लगाए गए हैं, वहां पुराने खंभे अभी तक हटाए नहीं गए हैं। इससे विद्युत व्यवस्था के साथ-साथ आवागमन में भी समस्या उत्पन्न हो रही है। सभासद निहाल सिंह लाठर ने विद्युत उपखंड अधिकारी से वार्ड की समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने, नीचे लटके विद्युत केबल को व्यवस्थित कराने, जर्जर खंभों को बदलने तथा बदले जा चुके खंभों को हटवाने की मांग की है। उन्होंने पत्र में कहा है कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो भाजपा सभासद अपने समर्थकों के साथ विद्युत विभाग के परिसर में अनशन करने के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने विद्युत विभाग से जनहित में मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। समर्थकों में धर्मेंद्र गांधी, गिरीश बाबू, मनोज ठाकुर आदि लोग रहे

पुलिस लाइन ग्राउंड पर उत्तरी जोन बालक एथलेटिक्स में 7 स्कूलों के खिलाड़ियों ने दिखाया दम



ब्यूरो / बरेली। रिजर्व पुलिस ग्राउंड में आयोजित उत्तरी जोन बालक एथलेटिक्स प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने ट्रैक और फील्ड पर जबरदस्त दमखम दिखाया। सात स्कूलों के बीच हुए कड़े मुकाबले में अंडर-14 वर्ग में विष्णु इंटर कॉलेज ने बाजी मारी, जबकि अंडर-17 और अंडर-19 दोनों वर्गों में मनोहर भूषण इंटर कॉलेज ओवरऑल चैंपियन बनकर उभरा। ?अंडर-14ष 100 व 200 मीटर दौड़ में गुरु गोविंद सिंह कॉलेज के अब्दुल सारिक पहले व विष्णु कॉलेज के अमित दूसरे स्थान पर रहे। 600 मीटर दौड़ में विष्णु कॉलेज के वंशी ने पहला व माधव ने दूसरा स्थान पाया। ?अंडर-17ष 100 मीटर में मनोहर भूषण के सहजिल प्रथम व गुलाब राय के नंदकिशोर द्वितीय रहे। 400 मीटर में सहजिल प्रथम व अनमोल द्वितीय रहे। 800 मीटर में मनोहर भूषण के हिमांशु प्रथम व केडीएम के गौरव द्वितीय रहे। भाला फेंक में गुरु गोविंद सिंह कॉलेज के अभिषेक कुमार अव्वल रहे। ?अंडर-19ष 100 मीटर में गुरु गोविंद सिंह कॉलेज के आदिल प्रथम व सचिन द्वितीय रहे। 200 मीटर में केडीएम के अतुल यादव व 400 मीटर में मनोहर भूषण के अंकित यादव पहले पायदान पर रहे। 1500 मीटर दौड़ केडीएम के प्रांजल ने जीती। फील्ड स्पर्धा में मनोहर भूषण के आदित्य सिंह ने गोला फेंक और चक्का फेंक दोनों में पहला स्थान हासिल कर दबदबा बनाया। प्रदर्शन का आह्वान किया।

संक्षिप्त समाचार

नवागत एडीएम ई कार्यभार संभाला



हि दै आचार्य वाणी /आज जनपद बदायूं में मानवेन्द्र सिंह ने 15 सितम्बर को जनपद बदायूँ में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है। वह वर्ष 2019 बैच के पी सी एस अधिकारी हैं। मानवेन्द्र सिंह इससे पूर्व जनपद एटा एवं सहारनपुर में विभिन्न पदों पर कार्यरत रह चुके हैं। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने कहा कि जनपद में प्रशासनिक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाएगा उनके कार्यभार ग्रहण करने पर कलेक्ट्रेट के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया।

थाना सिविल लाईन पुलिस नें एक अभियुक्त को भेजा जेल



हि दै आचार्य वाणी / जनपद बदायूँ एसएसपी के निर्देशन में अपराध नियन्त्रण व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में तथा प्रभारी निरिक्षक थाना सिविल लाईन की अगुवाई में थाना सिविल लाइन पुलिस द्वारा आज संदिग्ध वाहन व व्यक्तियो की चैकिंग के दौरान रेलवे लाइन पर बनी पुलिया के पास से अभियुक्त दीपक मिश्रा पुत्र बृजलाल मिश्रा नि0 ग्राम मौहम्मद गंज थाना कादर चौक जिला बदायूँ को एक अदद नाजायज देशी तमंचा 12 बोर व 02 अदद जिन्दा कारतूस 12 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया, जिसके सम्बन्ध में थाना सिविल लाइन पर मु0अ0स0 326/26 धारा 3/25(1-B)(a) आर्म्स एक्ट बनाम दीपक पंजीकृत किया गया है । गिरफ्तार अभियुक्त को मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया गया

हिस्ट्रीशीटर लल्ला ने सपा जिला सचिव पवन यादव को मारी थी गोली, पुलिस ने चार को पकड़ा

सपा नेता पवन यादव हत्याकांड मामले में पुलिस ने गांव के ही हिस्ट्रीशीटर लल्ला यादव समेत चार आरोपियों को पकड़ लिया है। इनके पास से हत्या में प्रयुक्त तमंचा और बाइक भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। पुलिस शाम तक मामले का खुलासा कर सकती है।हंडिया में सपा के जिला सचिव पवन यादव की हत्या के मामले में पुलिस ने एक हिस्ट्रीशीटर समेत चार आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। चारों आरोपी गांव के ही बताए जा रहे हैं। एक आरोपी गांव के प्रधान का पति भी बताया जा रहा है। जांच में पता चल रहा है कि हिस्ट्रीशीटर लल्ला यादव ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर पवन यादव को गोली मारी थी। जितेंद्र यादव उर्फ लल्ला हंडिया थाना क्षेत्र के मुगरांव का ही रहने वाला है। उसके खिलाफ जिले के कई थानों में हत्या, हत्या के प्रयास, लूट सहित कई संगीन धाराओं में दर्जनभर से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार गोली लल्ला ने ही चलाई थी। बाइक पर उसके साथ गांव के ही निहाल अली और बृजेश यादव बताए जा रहे हैं। आरोपियों के कब्जे बाइक और हत्या में प्रयुक्त तमंचा भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस मामले का खुलासा बुधवार शाम तक कर सकती है। बुधवार सुबह से ही एसआरएन अस्पताल परिसर में स्थित पोस्टमार्टम हाउस में हंडिया, सिविल लाइंस समेत कई थानों की पुलिस फोर्स मौजूद रही। साथ ही बड़ी संख्या में सपा नेता और हंडिया क्षेत्र के लोग मौजूद रहे। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। चौथा आरोपी गांव की महिला प्रधान का पति विनोद यादव बताया जा रहा है। इससे भी पवन यादव की रंजिश चल रही थी।पुलिस जांच में सामने आया कि मूलरूप से भदोही निवासी जितेंद्र यादव उर्फ लल्ला से पवन यादव की पुरानी रंजिश थी। जितेंद्र वर्ष 2022 में हत्या के एक मामले में जेल गया था। जितेंद्र को पवन पर उसकी मुखबरी करने का संदेह था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच काफी समय से विवाद चल रहा था। वारदात के समय बाइक सवार तीन बदमाशों में से एक का हुलिया जितेंद्र यादव से मिलता-जुलता बताए जाने के बाद पुलिस का शक इस दिशा में भी गया हैहंडिया में मंगलवार शाम बाइक सवार नकाबपोश तीन बदमाशों ने समाजवादी पार्टी गंगापार के जिला सचिव और पूर्व ग्राम प्रधान पवन कुमार यादव (50) की गोली मारकर हत्या कर दी थी। वारदात हंडिया थाने से महज 500 मीटर दूर कर्मनाशा मोहल्ले में हुई। गोली पवन की पीठ में लगी। गंभीर हालत में उन्हें कई अस्पतालों में ले जाया गया, लेकिन एसआरएन अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

भारतीय किसान संघ का प्रदेशव्यापी : ज्ञापन दिवस पर त्योंदा में 17 व 37 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

हि दै आचार्य वाणी/ त्योंदा। पूरे मध्य प्रदेश में भारतीय किसान संघ द्वारा आयोजित प्रदेशव्यापी %ज्ञापन दिवस% के तहत 15 सितंबर को तहसील कार्यालय त्योंदा में किसानों ने एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद की। संघ के पदाधिकारियों एवं सैकड़ों किसानों की उपस्थिति में देश के प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन तहसीलदार आनंद जैन को सौंपा गया। ज्ञापन पत्र में संघ ने उल्लेख किया कि भारतीय किसान संघ एक गैर-राजनीतिक राष्ट्रवादी संगठन है, जो सदैव किसानों के हित संवर्धन के लिए कार्यरत है। संघ ने विदेशी डेयरी



उत्पाद और जीएम फसलों को देश में आने से रोकने के लिए सरकार का धन्यवाद भी जताया, साथ ही अपनी प्रमुख मांगों को पटल पर रखा- प्रधानमंत्री के नाम 17 सूत्रीय ज्ञापन (मुख्य बिंदु)- कृषि आदानों और कृषि यंत्रों से जीएसटी को पूर्ण रूप से समाप्त किया जाए। सभी फसलों का लागत के आधार पर लाभकारी मूल्य सुनिश्चित किया जाए। कृषि उत्पादों की आयात-निर्यात नीति किसान हितेषी हो; जब किसान की फसल पककर बाजार में आए, तब आयात न किया जाए। कृषि कार्यों में लगने वाले यंत्रों, रासायनिक दवाइयों तथा बीज पर जीएसटी की दर न्यूनतम की जाए।

किसी भी कीमत पर जीएम फसलों बीजों को भारत में प्रवेश की अनुमति न दी जाए। भूमि अधिग्रहण कानून में केवल विकास योजनाओं एवं राष्ट्रीय मुद्दों पर ही अधिग्रहण हो तथा पूरे देश में समान कानून लागू किया जाए।

मुख्यमंत्री के नाम 37 सूत्रीय ज्ञापन- वर्तमान में सोयाबीन अपहलन एवं उड़द की फसल नष्ट हो गई है जिसे शीघ्र सर्वे करा कर बीमा एवं मापजा दिलाया जाए डीएपी खाद का कोटा त्योंदा ब्रांच की सभी सोसाइटियों में बढ़ाया जाए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र त्योंदा में नर्सिंग स्टाफ बढ़ाया जाए सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी, कृषि हेतु निर्बाध बिजली आपूर्ति, स्थानीय मंडियों में व्यवस्था सुधार जैसी 37 स्थानीय व प्रादेशिक मांगें शामिल रहीं।प्रदर्शन के दौरान किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि इन जनहितैषी मांगों को शीघ्र पूरा किया जाए । ज्ञापन प्राप्त कर तहसीलदार आनंद जैन ने इसे तुरंत उच्च अधिकारियों व संबंधित कार्यालयों तक प्रेषित करने का आश्वासन दिया।

प्रमुख पदाधिकारियों एवं किसानों की रही गरिमामय उपस्थिति इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला मंत्री महेंद्र सिंह रघुवंशी, जिला सह मंत्री रितेश जैन तहसील अध्यक्ष प्रीतम सिंह राजपूत, तहसील मंत्री माधव प्रसाद दुबे, उपाध्यक्ष शरद शर्मा, सह मंत्री विजय सिंह राजपूत, सह मंत्री भूपेंद्र सिंह कुर्मी, बृजेश राजपूत भगवान सिंह जरिया अनुज पटेल शेर सिंह पटेल सत्येंद्र दांगी अरविंद गुर्जर नेतराम पटेल जगदीश यादव और खचोरी लाल सहित क्षेत्र के अनेक किसान भाई उपस्थित रहे।

बिजली व्यवस्था में लापरवाही पर डीएम समीर सख्त, 24 से 48 घंटे में बदलें खराब ट्रांसफार्मर

हि दै आचार्य वाणी/ जर्जर तार-पोल व खुले ट्रांसफार्मरों पर तत्काल बैरिकेडिंग के निर्देश, अधिक शिकायत वाले क्षेत्रों को जेई-एई चिन्हित कर सुनिश्चित करें प्रभावी कार्रवाई जनपद में निर्बाध एवं सुरक्षित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने को लेकर जिलाधिकारी समीर ने वर्चुअल कलेक्ट्रेट सभागार में विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने विद्युत आपूर्ति, खराब ट्रांसफार्मरों, उपभोक्ता शिकायतों तथा विद्युत सुरक्षा से जुड़े कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि विद्युत व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि आमजन को बेहतर विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है और उपभोक्ताओं की शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि शहरी क्षेत्रों में खराब ट्रांसफार्मर 24 घंटे तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 48 घंटे के भीतर अनिवार्य रूप से बदले जाएं। ग्रामीण क्षेत्रों में बार-बार ट्रांसफार्मर खराब होने वाले स्थानों को चिन्हित कर विद्युत लोड का परीक्षण कराया जाए तथा आवश्यकता के अनुसार क्षमता वृद्धि करते हुए उच्च क्षमता के ट्रांसफार्मर लगाए जाएं, ताकि बार-बार होने वाली विद्युत बाधा को कम किया जा सके। उन्होंने जेई एवं एई को अपने-अपने क्षेत्रों में विद्युत संबंधी अधिक शिकायतों वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर उनकी नियमित समीक्षा करने तथा शिकायतों के बार-बार आने के कारणों का पता लगाकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, वहां केवल शिकायतों का निस्तारण ही नहीं बल्कि समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में भी कार्य किया जाए। संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए शिकायतों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक तकनीकी एवं विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।जिलाधिकारी ने कहा कि शहर हो या ग्रामीण क्षेत्र, विद्युत कार्य के लिए शटडाउन लिया जाता है तो इसकी सूचना संबंधित क्षेत्र के उपभोक्ताओं को पहले से विधिवत उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उपभोक्ताओं के फोन समय से रिसीव करने तथा विनम्र व्यवहार के साथ समस्या की सही जानकारी एवं समाधान का स्पष्ट समय बताने के निर्देश दिए। विद्युत सुरक्षा को लेकर भी जिलाधिकारी ने विशेष गंभीरता दिखाई। उन्होंने जर्जर विद्युत तारों, क्षतिग्रस्त पोलों तथा खुले में स्थापित ट्रांसफार्मरों को चिन्हित कर तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने तथा सभी संवेदनशील स्थानों पर बैरिकेडिंग सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए, ताकि विद्युत दुर्घटनाओं से जन एवं पशुहानि की संभावना को समाप्त किया जा सके। जिलाधिकारी ने 'झटपट पोर्टल' पर प्राप्त उपभोक्ता आवेदनों का निर्धारित समयसीमा में निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी उपभोक्ता को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने विशेष रूप से दिव्यांग उपभोक्ताओं की शिकायतों को प्राथमिकता से लेते हुए आवश्यकता पड़ने पर उनके घर पहुंचकर समस्या का समाधान कराने के निर्देश दिए। अधीक्षण अभियंता ने बताया कि विद्युत संबंधी शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। उपभोक्ता टोल फ्री नंबर 1912 के साथ मोबाइल नंबर 7318124866 एवं 8004912655 पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कंट्रोल रूम में 24 घंटे कर्मचारियों की ड्यूटी सुनिश्चित की जाए, ताकि विद्युत संबंधी शिकायतों पर तत्काल संज्ञान लेकर समय रहते उनका समाधान कराया जा सके। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता योगेंद्र सिंह, अधिशाषी अभियंता सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

विकास कार्यों में तेजी लाएं अधिकारी, योजनाओं का लाभ समय से जनता तक पहुंचाएं - डीएम समीर

हि दै आचार्य वाणी/ जिलाधिकारी समीर की अध्यक्षता में विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में विकास कार्यों एवं सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं विकास कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी स्तर की लापरवाही क्षम्य नहीं की जाएगी। बैठक में सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित विभिन्न सूचकांकों की विभागवार समीक्षा करते हुए



जिलाधिकारी ने कहा कि जिन विभागों की रैंकिंग अपेक्षाकृत कम है, वे तत्काल अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करते हुए निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि केवल लक्ष्य प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि योजनाओं का वास्तविक लाभ पात्र लोगों तक समय से पहुंचना भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने-अपने विभागों की नियमित समीक्षा एवं प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा मरीजों को बेहतर एवं समयबद्ध उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग की समीक्षा में उन्होंने जनपद में विद्युत आपूर्ति सुचारू बनाए रखने तथा अनावश्यक विद्युत बाधाओं का प्रभावी समाधान करने को कहा। स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा करते हुए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में साफ-सफाई को और बेहतर बनाने तथा नियमित निगरानी पर जोर दिया। वहीं राजस्व विभाग के अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने एवं भूमि संबंधी शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सीएम डैशबोर्ड पर विभागीय आंकड़ों के अद्यतन एवं उनकी शुद्धता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि डैशबोर्ड पर दर्ज आंकड़े शासन स्तर पर जनपद के कार्यों की प्रगति को प्रदर्शित करते हैं। इसलिए प्रत्येक अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि पोर्टल पर सही, अद्यतन एवं पारदर्शी डाटा समय से उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को टीम भावना के साथ कार्य करते हुए शासन की योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनहित सर्वोपरि है। प्रत्येक अधिकारी यह सुनिश्चित करे कि सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों का लाभ पात्र लोगों तक बिना अनावश्यक विलंब के पहुंचे। विभागीय कार्यों की नियमित समीक्षा कर कमियों को समय रहते दूर किया जाए, ताकि जनपद की विकास प्रगति को और गति प्रदान की जा सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी एच.एन. प्रसाद, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विकास चौधरी सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आज से शुरू होगा भाजपा का 'सेवा संकल्प अभियान', 17 अक्टूबर तक होंगे सेवा और जनभागीदारी के कार्यक्रम

हि दै आचार्य वाणी/ शिवपुरी। भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 'सेवा और समर्पण के 25 वर्ष = सेवा संकल्प अभियान-2026' का आयोजन किया जा रहा है। अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा। इस दौरान जिले में रक्तदान, स्वच्छता अभियान, सामाजिक सहभागिता, प्रतियोगिताओं और विभिन्न सेवा गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। जिला भाजपा अध्यक्ष जसवंत जाटव ने बताया

कि अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसेवा, सुशासन और जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी लोगों तक पहुंचाने तथा विकसित भारत-2047 के संकल्प में



जनभागीदारी बढ़ाने के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं जिला महामंत्री एवं अभियान संयोजक लवलेश जैन ने सेवा गतिविधियों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की बात कही। 17 सितंबर को रक्तदान और 'आशीर्वाद का दीया'-

अभियान की शुरुआत 17 सितंबर को सेवा दिवस एवं रक्तदान शिविर के साथ होगी। शिवपुरी में वृहद रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। इसी दिन शाम 7 बजे जिले के सभी बूथों पर 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम प्रस्तावित है, जिसमें परिवार के साथ दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। इसके अलावा 'नमो सेवा-अनकही कहानियां', 'आंगन में सेवा', 'सेवा की कहानी', 'सेवा ज्योति कलश यात्रा-विकसित भारत का संकल्प', 'सेवा मेरा योगदान' और 'सेवा सेतु' जैसे कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। आंगनवाड़ी केंद्रों पर पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कार्यक्रम और कार्यकर्ताओं के सम्मान का आयोजन किया जाएगा। भाजपा पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता कर उन्हें सफल बनाने की अपील की है।

आबादी के बीच लगाए जा रहे टाबर निर्माण का स्थानीय लोगों ने विरोध कर दिया

हि दै आचार्य वाणी/फतेहगंज पश्चिमी। बुधवार को कस्बा के मोहल्ला माली में आबादी के बीच लगाए जा रहे टाबर निर्माण का स्थानीय लोगों ने विरोध कर दिया।निर्माण कर रहे मजदूरों से फावड़ा और मसाला ढोने की परात छिन ली।जिसके चलते प्लाट मालिक और मोहल्ले वासियों के बीच खूब हॉट टॉक हुई। विरोध प्रदर्शन कर रहे मोहल्ले वासियों की अगुवाई कर रहे सुनील कुमार ने बताया मोहल्ले में मूलता थाना मीरगंज के गांव श्यामपुर निवासी महावीर सिंह का खाली प्लॉट पड़ा है।जिसमें एयरटेल कंपनी का टावर लगाया जा रहा है।बुधवार को प्लॉट में निर्माण शुरू हुआ तब मोहल्ले के लोगों को टावर लगने की जानकारी हुई।बताया आबादी के अंदर नहीं बल्कि आबादी से दूर टावर



लगने का नियम है।टावर से लोगो को शारीरिक और मानसिक दोनों तरफ से नुकसान होता है।अधिक ऊंचाई होने के कारण आंधी तूफान के समय भी खतरा बना रहता है।इसीलिए मोहल्ले के लोग विरोध कर रहे है।कहा किसी भी हालत में वह टावर नहीं लगने देंगे।बृहस्पतिवार को सभी मोहल्ले के लोग एसडीएम निधि शुक्ला से मिलकर टावर निर्माण रोकने की मांग करेंगे।इस दौरान प्लॉट स्वामी महावीर और मोहल्ले के लोगों के बीच खूब हॉक टॉक हुई। टावर का विरोध करने वाले पड़ोसियों में सुनील कुमार, धीरू, चुन्नीलाल, भगवान दास मौर्य, ओमप्रकाश, रिंकू, राजवीर, सत्येंद्र, लीलाधर, बाबूराम, प्रेमवती, प्रेम देवी, सन्नो देवी, राजबाला, सरोज देवी, नेमवती, चांदनी, कमला आदि दर्जनों महिलाएं और पुरुष मौजूद रहे। सभी लोगों ने मिलकर मोहल्ले में टावर न लगाएं जाने का विरोध किया।

संक्षिप्त समाचार

उत्तर प्रदेश राज्य साइकिलिंग ट्रायल में मुरादाबाद के खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

हि दै आचार्य वाणी/ सैयद सिकंदर राजा/ मुरादाबाद के सैयद खुर्शीद अली के परिवार ने साइकिलिंग में बनाई है ख़ास पहचान मुरादाबाद। साइकिलिंग के क्षेत्र में मुरादाबाद का नाम लगातार रोशन कर रहे



सैयद खुर्शीद अली के परिवार ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। 13 सितंबर को ट्रांस गंगा सिटी के गेट नंबर दो के अंदर आयोजित उत्तर प्रदेश राज्य माउंटेन बाइक एवं ट्रैक साइकिलिंग ट्रायल में मुरादाबाद से सैयद खुर्शीद अली के परिवार के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। खुर्शीद अली स्वयं नेशनल अवार्ड तक जीत चुके हैं। उनके परिवार से सैयद खालिद, वकी, मरदान अली और बुरहान अली भी साइकिलिंग में अपनी पहचान बना रहे हैं। ,ट्रायल में उत्तर प्रदेश पुलिस समेत प्रयागराज, कानपुर, चित्रकूट, मुरादाबाद, कानपुर देहात, मिर्जापुर, नोएडा, आगरा, मेरठ, सहारनपुर और अयोध्या आदि जिलों के करीब 55 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक चली। प्रतियोगिता का उद्घाटन कानपुर ओलंपिक संघ के महासचिव एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रजत आदित्य दीक्षित और सीएसजेएम विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. आरपी सिंह ने संयुक्त रूप से किया। इससे पूर्व आरके गुप्ता ने दोनों अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर और बुके देकर स्वागत किया। साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से नियुक्त अयोध्या के अवधेश कुमार विश्वकर्मा, पीसीपी कानपुर के ब्रजेश शुक्ला, मेरठ के एनआईएस कोच किरण कुमार पाल, नदीम अहमद, सुजीत कुमार, अमीर खान और आरके पंडित की देखरेख में ट्रायल संपन्न हुआ। ट्रायल के आधार पर राष्ट्रीय टीम की घोषणा शीघ्र की जाएगी।

भाकियू टिकैत की मासिक बैठक संपन्न, बिजली-पानी और सफाई व्यवस्था के मुद्दों पर हुई चर्चा

हि दै आचार्य वाणी / डिलारी। विकासखंड डिलारी के सभागार में बुधवार को भारतीय किसान यूनियन टिकैत की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में किसानों से जुड़ी विभिन्न



समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए उनके समाधान को लेकर चर्चा की गई। बैठक के दौरान क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की समस्या, पानी और साफ सफाई की व्यवस्था और किसानों से जुड़ी अन्य समस्याओं पर पदाधिकारियों एवं किसानों ने अपने विचार रखे। इसके साथ ही विकासखंड डिलारी के कई गांवों में सफाई व्यवस्था ठीक न होने का मुद्दा भी उठाया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। बैठक में संगठन को मजबूत करने तथा किसानों की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाकर उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास करने पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी मास्टर बलराम सिंह चौहान, तहसील अध्यक्ष वाहिद अली, डिलारी ब्लॉक अध्यक्ष अनीस अहमद सहित भारतीय किसान यूनियन टिकैत के अन्य पदाधिकारी एवं क्षेत्र के किसान मौजूद रहे।

कृषि विभाग की समीक्षा में लापरवाही पर सख्ती, दो अधिकारियों की वेतनवृद्धि रोकने के निर्देश

हि दै आचार्य वाणी/ शिवपुरी। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कृषि विभाग की समीक्षा बैठक में कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर कलेक्टर एवं मजिस्ट्रेट जिला अर्पित वर्मा ने दो वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों की एक-एक वार्षिक वेतनवृद्धि रोकने के निर्देश दिए। वहीं शिवपुरी



विकासखंड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी आर.पी. पचौरी को पद से हटाने के निर्देश भी जारी किए गए। बैठक में अनुपस्थित 11 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। बैठक में कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं की विकासखंडवार भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों की प्रगति एक सप्ताह में पूर्ण करने के निर्देश दिए। विभागीय ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीयन एवं पॉलीगन का कार्य भी आगामी दो दिनों में शत-प्रतिशत पूरा करने को कहा गया। सीएम हेल्पलाइन के प्रकरण दो दिन में निपटाने के निर्देश- समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने कृषि विभाग से संबंधित लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की भी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को सभी लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर दो दिवस में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ,बैठक में उप संचालक कृषि मुनेश कुमार शाक्य, जिले के सभी विकासखंडों के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, कृषि विकास अधिकारी सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिल टूटे या रिश्ता छूटे, फर्स्ट लव की यादें कभी क्यों नहीं मिटतीं? साइकोलॉजी में छिपा है यह राज

पहले प्यार के अनुभव को सब जानते हैं, पर इसके पीछे की साइकोलॉजी पर कोई बात नहीं करता।किसी के भी जिंदगी में पहला प्यार वो एहसास होता है, जो मन पर गहरी छाप छोड़ जाता है। कभी सोचा है कि आखिर फर्स्ट लव इतनी आसानी से क्यों नहीं भुलाया जा सकता? क्या है इसके पीछे का मनोविज्ञान? चलिए आज पहले प्यार की इसी साइकोलॉजी पर विस्तार से बात करते हैं। क्या है पहले प्यार की साइकोलॉजी? - साल 2017 की हावर्ड मेडिकल स्कूल रिसर्च कहती है कि जब भी कोई व्यक्ति किसी से प्यार करने लगता है तो ऑक्सिटोसिन कहे जाने वाला लव हॉर्मोन रिलीज होता है। इसके साथ ही मोटिवेशन देने वाला डोपामिन और सेरोटोनिन जैसे %फील-गुड% हॉर्मोन भी रिलीज होने लगते हैं। इन केमिकल्स की वजह से मन खुशी और उत्साह की भावना से भर जाता है। फिर जब यह एहसास किसी को पहली बार होता है, मन इसे खुशहाल अनुभव की तरह देखता है। ऐसे में पहला प्यार व्यक्ति की जिंदगी में गहरी छाप छोड़ जाता है, क्योंकि तब उसने जाना ही होता है कि प्यार की भावना आखिर होती कैसी है। टीनेज में होता है ज्यादा गहरा असर - साइकोलॉजी की माने तो पहले प्यार का एहसास किशोरावस्था में सबसे पहले होता है, उस दौरान मन और शरीर बहुत से बदलावों से गुजर रहा होता है। यही वो समय होता है जब सबसे स्ट्रॉंग मेमोरी बनती है। सिर्फ पहला प्यार ही नहीं, पहला ब्रेकअप या जीवन से जुड़ी कोई भी घटना टीनेज में गहराई से असर डालती है। बार-बार याद करने से मजबूत होती है पकड़- एक सवाल यह भी है कि पहले प्यार की यादें इतनी जल्दी क्यों नहीं जाती, तो इसके पीछे भी कारण है। अब क्योंकि वह अनुभव पहली बार था और उसका मन पर असर पड़ा, ऐसे में व्यक्ति उन यादों को भी बार-बार दिमाग में दोहराता रहता है। पहली मुलाकात, पहला प्यार का इजहार या कोई खास तोहफा, बार-बार याद आते हैं और इन्हें कमजोर नहीं पड़ने देते। इससे ये अनुभव धूमिल नहीं होते, बल्कि और भी पक्के हो जाते हैं। पहले प्यार का फ्यूचर रिलेशनशिप पर क्या असर पड़ता है? पहला प्यार हमारे भविष्य में किसी भी रिश्ते को भी प्रभावित करता है। अगर वह अनुभव नकारात्मक है तो यह टॉक्सिक पैटर्न दोहराने जैसा हो सकता है। वहीं, सकारात्मक अनुभव होने पर व्यक्ति भविष्य



के पार्टनर में भी वैसी ही खूबियां खोजने लगता है।

'झूठ बोलना पाप है'... लेकिन पेरेंट्स का बच्चों को ये झूठी बातें सिखाना है जरूरी, मुसीबत में आएंगी बड़ी काम

आजकल के माहौल में बच्चों की सुरक्षा के लिए उन्हें कुछ झूठी बातें सिखाना आवश्यक हो गया है।हम सभी जानते हैं कि बच्चों की परवरिश का एक हिस्सा है उन्हें सिखाना कि 'झूठ बोलना पाप है', लेकिन क्या हो अगर कुछ झूठ उन्हें सिखाना बहुत जरूरी हो जाए? दरअसल, आज हम उन झूठों की बात करने वाले हैं, जो हर पेरेंट्स को अपने बच्चों को सिखाने चाहिए। सोशल मीडिया पर झूठ बोलना -आजकल हर 9-10 साल के बच्चे सोशल मीडिया का इस्तेमाल करना सीख गए हैं। ऐसे में उन्हें इसके फायदे-नुकसान के बारे में बताना जरूरी है। बच्चों को कहें कि अगर कोई उनके स्कूल या घर का पता मांगे तो बिल्कुल न दें और न ही उन्हें अपनी लोकेशन शेयर करें। इसके बजाय गलत जानकारी देना या ब्लॉक करना सही विकल्प है। अजनबी को झूठ कहना - हम बच्चे को यह तो सिखा देते हैं कि किसी अजनबी से कुछ खाने-पीने का लेना सही नहीं है, पर यही नहीं बताते कि अगर कोई उनके घर, स्कूल का पता, घरवालों के फोन नंबर की मांग करे तो उस स्थिति में झूठ कहना बुरा नहीं है। यह सफेद झूठ बच्चों की मुश्किल परिस्थिति में ढाल की तरह काम करेगा। पेरेंट्स घर पर हैं' वाला झूठ अगर बच्चा किसी दिन घर पर अकेला है और दरवाजे पर कोई अनजान व्यक्ति आया है, उस स्थिति में बच्चे को झूठ कहने की सीख जरूर दें। उन्हें बताएं कि हर बार किसी अनजान के आने पर यह कभी नहीं कहना कि वो घर पर अकेले हैं। इसकी जगह पेरेंट्स के घर पर होने की सामने वाले को पूरी संभावना देनी है। असुरक्षित स्थिति में झूठ कहना - किसी व्यक्ति के होने से बच्चा असुरक्षित या असहज महसूस करे तो बच्चे को बताएं कि वहां शिष्टाचार निभाने की जरूरत नहीं हैं। वह अपनी सेफ्टी को ध्यान में रखकर कह सकता है कि उसके परिवार वाले आसपास हैं या उसे लेने आने वाले हैं। इस स्थिति में बच्चे को ईमानदारी या सच्चाई से ज्यादा अपनी सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए। आर्थिक स्थिति की जानकारी पर झूठ- किसी अनजान को अपने घर की आर्थिक स्थिति के बारे में हर समय सही जानकारी देना जरूरी नहीं है। ऐसी स्थति को संभालने के लिए बच्चे को झूठ बोलने की आदत डालें। किसी चालाक व्यक्ति के इस तरह के सवाल-जवाब करने पर उसे कहना सिखाएं कि वह इस बारे में जानकारी नहीं रखता है।



लुक्स के चक्कर में कहीं खो तो नहीं रहा आपके बच्चे का कॉन्फिडेंस? ऐसे समझाएं उसे ब्यूटी का असली मीनिंग

किशोरावस्था आयु का वह काल है, जब बच्चों को अपने रूप-रंग को लेकर होने लगती है कुंठा। बाजार में उपलब्ध सौंदर्य उत्पाद और सुंदरता के मानक कहीं कमजोर न कर दें आपके बच्चे का आत्मविश्वास, इसके लिए जरूरी है आपका प्रयास, साइकोलॉजिस्ट व पैरेंटिंग कोच डॉ. मोना गुजराल का आलेख.बीते दिनों फराह खान जब अभिनेत्री व ब्यूटी पैजेंट में भाग ले चुकी आकांक्षा चौधरी के घर यूट्यूब व्लाग बनाने गईं तो वहां आकांक्षा ने बताया कि वो टीनएज में स्वयं को बेहद बदसूरत महसूस करती थीं। तब फराह ने बताया कि उनकी बेटी भी ऐसा ही सोचती है। देखा जाए तो किशोरावस्था हर बच्चे के जीवन का वह मोड़ है जहां उसका शरीर और मन एक साथ बड़े बदलावों से गुजरते हैं। जहां वे स्वयं को अक्सर अग्ली डकलिंग या बदसूरत समझने लगते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि वो सचमुच आकर्षक नहीं है, बल्कि यह वह समय है जब वह खुद को अजीब, बेडौल और अपने ही शरीर को लेकर असहज महसूस करने लगता है। पहले जो बच्चा बेझिझक तस्वीरें खिंचवाता था, वह अचानक आईने के सामने घंटों बिताने लगता है, फोटो खिंचवाने से कतराता है या बार-बार पूछता है-क्या मैं ठीक दिख रहा हूं? सौंदर्य उत्पाद से भरा बाजार इन बच्चों, खास तौर पर किशोरियों को इस ओर आकर्षित करता है। जिसमें उलझकर वे अक्सर स्वयं को ही नुकसान पहुंचा लेते हैं।इंटरनेट मीडिया पर तुलना का दौर-आज के दौर में किशोरावस्था की यह उलझन पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। इंटरनेट मीडिया, ब्यूटी फिल्टर्स और विज्ञापन बच्चों के सामने सुंदरता का ऐसा झूठा पैमाना पेश करते हैं, जो वास्तविकता से बहुत दूर है। टीनेजर्स अक्सर अपने रोजमर्रा के अनफिल्टर्ड लुक की तुलना दूसरों की चुनिंदा और एडिट की गई तस्वीरों से करने लगते हैं। इस उम्र में दोस्तों की स्वीकृति सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है, इसलिए वे खुद को दूसरों की नजरों से देखने लगते हैं।समझें उनका दबाव- बच्चों को सीधे यह कहना कि %दूसरों की बातों पर ध्यान मत दो%- काम नहीं करता। यदि वे नए फैशन या हेयरस्टाइल के साथ प्रयोग करना चाहते हैं, तो इसमें कोई बुराई नहीं है। बस उनसे एक सवाल पूछें- क्या तुम यह इसलिए कर रहे हो क्योंकि तुम्हें पसंद है, या इसलिए कि तुम्हें लगता है इसके बिना दोस्त तुम्हें स्वीकार नहीं करेंगे? किशोरावस्था बाहरी दिखावे से हटकर अपनी आंतरिक पहचान बनाने का सफर है। अंतिम लक्ष्य बच्चों को यह महसूस कराना नहीं है कि वे हर दिन खूबसूरत दिखते हैं, बल्कि उन्हें यह विश्वास दिलाना है कि जिस दिन वे सुंदर महसूस न भी कर रहे हों, उस दिन भी वे उतने ही अनमोल, काबिल और प्यार के हकदार हैं। समझें बारीक अंतर- अधिकतर बच्चे समय के साथ अपने बदलते शरीर और लुक्स को स्वीकार कर लेते हैं, लेकिन अगर यह चिंता उनके दैनिक जीवन को प्रभावित करने लगे, तो इसे नजरअंदाज न करें। बच्चा अपने शरीर के किसी एक हिस्से को लेकर अत्यधिक तनाव में रहे, आईने को बार-बार देखे या खुद को पूरी तरह छुपाने लगे और बाहर जाना बंद कर दे तो यह उसे बाडी डिस्मार्फिक डिसआर्डर की ओर ले जा रहा है। अगर बच्चा अचानक खाने-पीने से पूरी तरह परहेज करने लगे, वजन बढ़ने का बहुत ज्यादा डर सताने लगे या जरूरत से ज्यादा एक्सरसाइज करने लगे तो यह उसे ईटिंग डिसआर्डर की ओर धकेल रहा होता है। यदि यह चिंता आपके बच्चे की पूरी जिंदगी को नियंत्रित करने लगे, तो किसी मनोवैज्ञानिक से संपर्क करना बहुत आवश्यक है।माता-पिता के लिए जरूरी मार्गदर्शन- बचें ऐसा कहने से- जब बच्चा कहे कि मैं बदसूरत हूं, तो अक्सर माता-पिता प्यार में कह देते हैं, अरे नहीं, तुम तो बहुत प्यारे हो यह प्रतिक्रिया स्वाभाविक है, लेकिन इससे बच्चे की समस्या हल नहीं होती। बच्चा यह नहीं पूछ रहा कि वह कैसा दिख रहा है, बल्कि वह यह महसूस कर रहा है कि वह पर्याप्त नहीं है। इसके बजाय कहें कि मुझे लग रहा है कि तुम आजकल अपने लुक्स को लेकर थोड़ा असहज महसूस कर रहे हो। मुझे बताओ कि तुम्हें क्या परेशानी लग रही है? सिखाएं सवाल उठाना- इंटरनेट मीडिया को पूरी तरह रोकने के बजाय बच्चों को इसके प्रति सजगता सिखाएं। उनसे पूछें कि जो तस्वीर उन्हें सबसे ज्यादा पसंद आ रही है वो किसने बनाई? इसमें कौन सा फिल्टर या लाइटिंग इस्तेमाल हुई है? क्या कोई इंसान हर वक्त ऐसा दिख सकता है? उन्हें समझाएं कि सुंदरता किसी एक तय सांचे का नाम नहीं है। बाहरी रंगत तक सीमित न रखें पहचान- अगर आप हमेशा बच्चे के लुक्स की तारीफ करेंगे, तो वह अपनी कीमत सिर्फ शक्ल-सूरत से आंकने लगेगा। उन खूबियों को सराहें, जिनका लुक्स से कोई लेना-देना नहीं है। जैसे कि %मुझे बहुत अच्छा लगा कि तुमने उस परिस्थिति को कितने धैर्य से संभाला। या तुम बहुत संवेदनशील और वफादार दोस्त हो।



41 साल पहले दूरदर्शनशो के खिलाफ टैक्सी चालकों ने निकाला था मार्च, लीड एक्ट्रेस ने घर-घर में बनाई थी पहचान

41 साल पहले दूरदर्शन के इस शो को लोकप्रियता तो मिली लेकिन एक वक्त ऐसा आया जब लोगों ने इसके खिलाफ प्रदर्शन भी किया।शो ने घर-घर में बनाई थी पहचान लोगों ने दूरदर्शन के ऑफिस के बाहर किया था प्रदर्शन - 41 साल पहले आया था दूरदर्शन का ये शोभारतीय सिनेमा और ब्रॉडकास्टिंग के इतिहास में दूरदर्शन की एक अलग ही जगह है क्योंकि यह भारत में प्रसारित होने वाला पहला चैनल था। अगर कहा जाए कि मनोरंजन के लिए रेडियो के बाद लोग इसी पर निर्भर थे तो गलत नहीं होगा। शो ने बनाई घर-घर में पहचान- दूरदर्शन पर शुरुआती दौर में जो शो प्रसारित हुए उनमें से कई शोज ने घर-घर में पहचान बनाई। लेकिन क्या आप जानते हैं एक टेलीविजन शो ऐसा भी आया था जिसके खिलाफ लोगों ने मार्च तक किया था और दूरदर्शन के ऑफिस के बाहर प्रदर्शन कर माफी की मांग भी की थी।क्या दिखाया जाता था शो में? %रजनी% 1985 में दूरदर्शन पर प्रसारित एक यादगार टीवी सीरीज थी, जिसके निर्देशक बसु चटर्जी थे। यह भारत का पहला ऐसा प्रमुख टीवी शो था जो ग्राहकों के अधिकारों और सोशल वर्क पर केंद्रित था।इस मशहूर शो का मुख्य किरदार स्वर्गीय प्रिया तेंदुलकर ने निभाया था। सरकारी भ्रष्टाचार से लड़ने वाली एक निडर मिडिल-क्लास हाउसवाइफ के रोल ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई और नेशनल हीरोइन बना दिया। शाह रुख खान ने किया था कैमियो- भविष्य के सुपरस्टार शाहरुख खान और फिल्ममेकर सुभाष घई ने इस सीरीज में शुरुआती कैमियो रोल किए थे। शो का आइडिया असल में %लूसी% नाम के एक किरदार से शुरू हुआ था, लेकिन डायरेक्टर बसु चटर्जी ने इसे बदलकर एक मिडिल-क्लास महिला सोशल एक्टिविस्ट का रूप दे दिया, जो रोजमर्रा की आम जनता की समस्याओं से लड़ती थी।टैक्सी ड्राइवर्स ने किया था मार्च- शो में दिखाए गए एक एपिसोड ने टैक्सी ड्राइवर्स की भावनाओं को इतना झकझोर दिया कि नाराज होकर उन्होंने दूरदर्शन के ऑफिस तक मार्च किया और माफी की मांग की।दरअसल इस शो के एक एपिसोड में टैक्सी चालकों को यात्रियों से मनमाना किराया वसूलते और बदतमीजी करते हुए दिखाया गया। अपने प्रोफेशन को गलत तरीके से दिखाने के चलते टैक्सी चालकों ने विरोध प्रदर्शन किया और दूरदर्शन के कार्यालय तक मार्च निकाला था। आशा भोसले ने गाया था टाइटल ट्रैक-मशहूर प्लेबैक सिंगर आशा भोसले ने शो का यादगार टाइटल ट्रैक गाया था जो शो की अटूट सच्चाई की भावना को बखूबी को दिखाता है।रजनी के बारे में %रजनी% एक भारतीय टेलीविजन सीरीज थी जो दूरदर्शन पर प्रसारित हुई थी और इसे बसु चटर्जी ने निर्देशित किया था। इसमें प्रिया तेंदुलकर मुख्य भूमिका में थीं। यह सीरीज सुस्त सरकारी दफ्तरों और अधिकारियों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए बहुत लोकप्रिय हुई। इसे करण राजदान और अनिल चौधरी ने लिखा था, और इसका टाइटल ट्रैक आशा भोसले ने गाया था।



थिएटर्स के बाहर एंबुलेंस...औरतों का हुआ मिसकैरेज, 53 साल पहले आई वो शापित फिल्म जिसने छीनी 20 लोगों की जिंदगी

53 साल पहले एक ऐसी फिल्म रिलीज हुई थी, जिसे दुनिया की सबसे मनहूस फिल्म कहा जाता है। जिसको देखते हुए कई महिलाओं के मिसकैरिज हुए, यहां तक की थिएटर्स के बाहर एंबुलेंस लगाई गईं।53 साल पहले रिलीज हुई सदी की सबसे मनहूस फिल्म- थिएटर्स के अंदर से बाहर आती थी लोगों की चीखें- इस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर मौजूद है फिल्मकॉमेडी हो-एक्शन हो या फिर हॉरर, फिल्में आमतौर पर लोगों के मंनोरंजन के लिए बनाई जाती हैं, लेकिन क्या आप सोच सकते हैं कि कोई फिल्म लोगों की मौत का कारण बन जाएगी? 53 साल पहले एक ऐसी फिल्म रिलीज हुई थी, जिसे आज भी दुनिया की सबसे शापित फिल्म कहा जाता है।इस फिल्म की मेकिंग के दौरान न बड़े-बड़े हादसे हुए, बल्कि रिलीज के साथ ही थिएटर्स के बाहर एंबुलेस लगा दिए गए। कौन सी थी दुनिया की सबसे मनहूस फिल्म, नीचे पढ़ें फिल्म से जुड़ा किस्सा। मनहूस फिल्म के सेट पर पहले ही दिन लगी थी आग- 53 साल बाद भी लोगों को डराने वाली जिस फिल्म का जिक्र हम अपने इस लेख में कर रहे हैं, वह साल 1973 में %द एक्जोरसिस्ट% है, जो 20वीं सदी की दुनिया की सबसे हॉरर क्लासिक फिल्मों में से एक है। ये फिल्म 1969 में लिखी गई विलियम फ्रीडकीन की नॉवेल पर बेस्ड थी, जिसका सेम नेम था। ये नॉवेल उस टाइम इतनी ज्यादा चर्चा में आई कि वॉर्नर ब्रदर्स ने मूवी के राइट्स खरीदकर इसपर फिल्म बनाने का निर्णय लिया।हालांकि, जिसे भी उन्होंने यह फिल्म ऑफर की उस डायरेक्टर ने साफ-साफ इनकार कर दिया, जिसके बाद फिल्म को विलियम ने ही डायरेक्ट किया। 1973 में फिल्म की शूटिंग शुरू हुई, लेकिन शूट के पहले ही दिन फिल्म के सेट पर आग लग गई और हादसे में 9 लोगों की मोत हो गई। हालांकि, फिल्म के मेकर्स हैरान तब हुए जब फिल्म का पूरा सेट जल गया, लेकिन उस कमरे में चिंगारी तक नहीं उठी जिसमें भूत वाले सीन फिल्माए जा रहे थे।एक-एक करके फिल्म से जुड़े क्रू मेंबर्स के करीबियों की हुई मौत- सेट के जलने की वजह से छह हफ्तों तक मूवी की शूटिंग रुकी रही, लेकिन हादसे होते रहे। फिल्म में बर्क डेगिनसन का रोल निभाने वाले जैक मैग्रोन से लेकर मालिया रोज का निधन हो गया। द एक्जोरसिस्ट में मुख्य किरदार निभाने वालीं लिंड़ा ब्लेयर, मैक्स फोरसायडो और कई क्रू मेंबर्स से जुड़े लोगों के परिवार वालों की डेथ हो गई। एक-एक करके 11 लोग इस फिल्म की रिलीज से पहले ही मारे गए, जिसके बाद इसे दुनिया की सबसे शापित फिल्म का टैग मिल गया। फिल्म देखते हुए प्रेग्नेंट महिलाओं का हुआ मिसकैरिज- 1973 में जब द एक्जोरसिस्ट की स्क्रीनिंग हुई और फिल्म को देखने समीक्षक आए, तो वह डरावने सींस को छोड़ भाग गए। शापित मूवी को उस दौर में सिर्फ 24 थिएटर्स में रिलीज किया गया था। फिल्म का वर्ड ऑफ माउथ और किस्से उस दौर में इतने ज्यादा सामने आए कि हादसों के बावजूद लोग सुबह 4 बजे से फिल्म की टिकट के लिए लाइन लगाकर खड़े हो गए। यहां तक कि पुलिस भी लोगों को काबू करने में उस समय पर असफल रही और काफी दंगे हुएजो भी ऑडियंस थिएटर्स में जाकर शापित फिल्म द एक्जोरसिस्ट देख रही थी, उनकी चीखें बाहर तक सुनाई दे रही थी। ऐसा कहा जाता है कि इस फिल्म को देखते हुए कई लोगों को हार्ट अटैक आए, यहां तक की प्रेग्नेंट महिलाओं का मिसकैरिज हो गया। हादसे इतने ज्यादा बढ़ रहे थे कि थिएटर्स के बाहर पुलिस वैन के साथ-साथ एंबुलेंस भी लगवा दी गईं। द एक्जोरसिस्ट को देखकर कई लोगों की मानसिक स्थिति इतनी खराब हो गई कि उन्हें चर्च जाकर पादरी की मदद लेनी पड़ी। फ्रीडकीन ने खुद सुनाया था आंखो देखा हाल- द एक्जोरसिस्ट की कहानी लिखने वाले विलियम फ्रीडकीन ने हॉरर मैगजीन कॉसल ऑफ फ्रेंकस्टिन को दिए गए एक इंटरव्यू में कहा था कि वो जादू टोने जैसी चीजों में वैसे तो यकीन नहीं करते, लेकिन इस फिल्म के सेट पर जो भी हादसे हुए उससे उनका नजरिया बदल गया। अगर आपने अभी तक ये फिल्म नहीं देखी है, तो यह अमेजन प्राइम वीडियो पर 119 रूपीज रेंटेंड में मौजूद है।



2 महीने से OTT पर गर्दा उड़ा रही रोमांटिक ड्रामा, IMDb पर सीरीज को मिली धांसू रेटिंग

ह्ब्ज्ञ्ज्ञ पर 2 महीने पहले रिलीज हुई एक 8 एपिसोड की सीरीज ट्रेंड कर रही है जिसे ड्डस्ठ्ठड्ड पर तगड़ी रेटिंग मिली है।ओटीटी पर छाई हुई है 8 एपिसोड की सीरीज-2 महीने से प्लेटफॉर्म पर कर रही ट्रेंड- IMDb पर सीरीज को मिली शानदार रेटिंगओटीटी पर लगभग हर हफ्ते कोई ना कोई नई सीरीज रिलीज होती है जिनमें से ज्यादातर अपने शुरुआती दिनों में ट्रेंडिंग लिस्ट में भी आ जाती है। लेकिन कुछ सीरीज होती हैं जो महीनों पहले स्ट्रीम हुई हो और लगातार ट्रेंडिंग लिस्ट में छाई हुई हो। एक ऐसी सीरीज है जो लगभग 2 महीने पहले ओटीटी पर रिलीज हुई थी और अब तक टॉप 10 में ट्रेंड कर रही है। यह एक रोमांटिक ड्रामा है जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था और अभी भी मस्ट वॉच बनी हुई है। सीरीज को IMDb पर 7.6 की धांसू रेटिंग मिली है। 8 एपिसोड की सीरीज ने उड़ाया गर्दा यह सीरीज जुलाई में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी और अब सितंबर में भी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर गर्दा उड़ा रही है। 8 एपिसोड की सीरीज की कहानी एक बेस्ट सेलिंग नॉवेल पर आधारित है।मुसाफिर कैफे सुधा और चंदर के रिश्तों की एक मॉडर्न कहानी है। सुधा एक आजाद-ख्याल वाली डिवोर्स लॉयर है और चंदर शांत स्वभाव का सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। दोनों की अरेंज्ड मैरिज के लिए हुई एक अजीब सी मुलाकात अचानक एक लिव-इन रिलेशनशिप में बदल जाती है।लेकिन किसी वजह से दोनों के रास्ते अलग हो जाते हैं कहानी में तीसरे किरदार प्रीति की एंट्री होती है। अब इस लव ट्रायएंगल में कौन, किसके साथ रह जाता है यह सीरीज देखने पर ही पता चलेगा। सीरीज में चंदर का किरदार विक्रांत मैसी, सुधा का किरदार वेदिका पिंटो और प्रीति का किरदार महिमा मकवाना ने निभाया है।सीरीज के बारे में मुसाफिर कैफे नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है जिसमें टोटल 8 एपिसोड हैं। इसमें विक्रांत मैसी , वेदिका पिंटो और महिमा मकवाना ने लीड रोल प्ले किया है। यह सीरीज दिव्या प्रकाश दुबे की बेस्ट सेलिंग हिंदी नॉवेल मुसाफिर कैफे% पर आधारित है। मुसाफिर कैफे को रुचिर अरुण ने डायरेक्ट किया है और शरन्या राजगोपाल ने इसे लिखा है।

